

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20



चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान

C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

(AN AUTONOMOUS ORGANISATION OF THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS' WELFARE, GOVERNMENT OF INDIA)

BAMBALA, KOTA ROAD, JAIPUR-302033 (RAJASTHAN)



वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20

सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर



वार्षिक पर्विदन

विषय-वस्तु

क्रमांक	विषय-वस्तु	पेज नं.
1.	परिचय	1-6
	1.1 संस्थान	1
	1.2 विजन	1
	1.3 मिशन	2
	1.4 जनादेश	3
	1.5 उद्देश्य	3
	1.6 सामान्य निकाय, कार्यकारी समिति और शिक्षाविदों की स्थायी समिति की संरचना	3
	1.7 दस शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना	4
	1.8 प्रभावी क्षेत्र	4
	1.9 हितधारक	5
	1.10 साझेदारी: राष्ट्र के लिए गतिशील उपकरण	6
2.	सीसीएस नियाम के विभिन्न कार्यक्रम-अप्रचलित तक पहुंचना	7-14
	2.1 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं	7-8
	2.2 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रम	9
	2.3 सीसीएस नियाम - अनुसंधान कार्यक्रमों मुख्य विशेषताएँ	10
	2.4 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान द्वारा सहायता प्राप्त हितधारकों की समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श कार्यक्रम	10-11
	2.5 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के नीति वकालत- हितधारकों के लिए तकनीकी सहायता	12
	2.6 सीसीएस नियाम अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम - अन्तराष्ट्रीय सोच स्थानीय कार्यवाही	13
	2.7 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के शिक्षा कार्यक्रम-कृषि व्यवसाय प्रबंधन के लिए भावी पीढ़ी को तैयार करना	13
	2.8 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के आरकेवीवाई- रफ्तार कार्यक्रम- कृषि-स्टार्टअप को बढ़ावा देना	13
	2.9 आरकेवीवाई-रफ्तार. के तहत कार्यान्वित कार्यक्रम	14
3	सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के शैक्षणिक केंद्र	16-33
	3.1 नीति, सुधार एवं कार्यक्रम केंद्र	16-17

वार्षिक प्रतिवेदन

	3.2 कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र	18
	3.3 आईसीटी और ई-नाम केंद्र	19-21
	3.4 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र	22
	3.5 निगरानी और मूल्यांकन केंद्र	23-24
	3.6 सार्वजनिक निजी भागीदारी केंद्र (पीपीपी)	25
	3.7 कृषि-व्यवसाय प्रबंधन और शिक्षा केंद्र	26-28
	3.8 कृषि लोजिस्टिक केंद्र	29-30
	3.9 नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र	31-32
	3.10 संस्थान निर्माण केंद्र	33
4.	आउटरीच कार्यक्रम	33
5.	महत्वपूर्ण आयोजन	34-36
6.	स्थापना दिवस	37
7.	मैं और मेरा पौधा की पहल	37
8.	सचिव, डीएसी एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा पुस्तक का विमोचन	38
9.	शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की बैठक	38
10.	पुस्तकालय	38
11	प्रकाशन	39-40
12	आधारभूत संरचना	41
13	प्रशासन और लेखा	42
अनुलग्नक 1-2		45-143
	अनुलग्नक- 1 2019-20 के लिए सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान का वार्षिक लेखा	45-57
	अनुलग्नक- 2 2019-20 के लिए सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान का शैक्षणिक कैलेंडर	58-143

श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी
माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार और
अध्यक्ष, सामान्य निकाय, सीसीएस नियाम



सरकार कृषि के बुनियादी ढांचे और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए क्रांतिकारी कदम उठा रही है। हाल ही में कृषि-उद्यमियों, किसान संघ और स्थानीय सरकारी एजेंसियों द्वारा कोल्ड स्टोरेज, गोदाम, पैकेजिंग, पकने और वैक्सिंग इकाई जैसी सुविधाएं बनाने के लिए कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) योजना शुरू की गई है।

सुश्री शोभा करंदलाजे
माननीय केंद्रीय राज्य कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार और
उपाध्यक्ष, सीसीएस नियाम की आम सभा



कृषक उत्पादक संघ (एफपीओ) अर्थव्यवस्था के मापदंडों का अधिकतम उपयोग करते हुए और छोटे तथा सीमांत किसानों को स्थिति में बदलाव लाकर भारत की कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं।

किसानों, किसान संगठनों और कृषि विपणन क्षेत्र के अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने में सीसीएस एनआईएम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रस्तावना



कृषि देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि-विकास और कृषि पर आधारित उद्योगों और संगठनों को बढ़ने में मदद करता है, इस प्रकार यह राष्ट्र के लिए रोजगार सृजन और देश के लिए धन संपदा मुहैया करने में मदद करता है। सीसीएस नियाम की स्थापना वर्ष 1988 में कृषि-विपणन के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और कृषि-व्यवसाय को मजबूत करने के लिए की गई थी। इसके लिए किसानों, एफपीओ, उद्योग और कृषि-व्यवसाय खिलाड़ियों, सरकारी अधिकारियों, कृषि व्यवसाय के छात्रों, जैसे विभिन्न हितधारकों को लगातार गुणवत्ता प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान की गई।

सीसीएस नियाम देश में कृषि-व्यवसाय क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान और विकास उन्मुख गतिविधियाँ भी प्रदान करता है। किसान बिजनेस स्कूल (केबीएस), अनुसंधान इंटरनशिप कार्यक्रम, औषधीय पौधों से संबंधित क्षेत्रों में अनुभवजन्य अनुसंधान, कृषि उपज के लिए विपणन रणनीति, राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम), भंडारण- प्रणाली, कृषि विपणन में जागरूकता, मॉडल PRAMs आदि में विभिन्न प्रकार के अनुसंधान और परियोजना विकास कार्य किए गए हैं।

सीसीएस नियाम कृषि प्रणाली में नवाचारों और प्रक्रिया पुनः इंजीनियरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए ऊष्मायन चरण से बीज चरण तक कृषि-स्टार्टअप को पोषित करने में भी अग्रणी है। सीसीएस नियाम में पांच राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड को शामिल करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत ज्ञान भागीदार के रूप में मान्यता दी गई है। 59 कृषि-स्टार्टअप को शामिल करते हुए चार प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं, 39 कृषि-स्टार्टअप को 4.58 करोड़ रुपये का वित्त पोषण किया गया है। सीसीएस नियाम ने ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार राज्यों में 4 R-ABI की गतिविधियों का भी मार्गदर्शन किया।

कृषि-व्यवसाय संगठनों, वित्तीय संस्थानों, प्रसंस्करण उद्योग, इनपुट उद्योग, रसद और आपूर्ति श्रृंखला संगठनों, निर्यात संगठनों और एफएमसीजी कंपनियां आदि में कृषि-व्यवसाय में सीसीएस नियाम के दो साल के एआईसीटीई मान्यता प्राप्त पीजीडीएम-एबीएम के छात्रों को 100% प्लेसमेंट प्राप्त हो रहा है। सीसीएस नियाम के पूर्व छात्र भारत और विदेशों में विभिन्न संगठनों में नेतृत्व की स्थिति में हैं और उन्होंने संस्थान को गौरवान्वित किया है।

हम कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, सामान्य निकाय, कार्यकारी परिषद और अकादमिक समिति को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। हम राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों से प्राप्त समर्थन को भी महत्व देते हैं। मैं अपने सभी छात्रों, पूर्व छात्रों, कृषि-स्टार्टअप उद्यमियों, शिक्षकों और सीसीएस नियाम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र-निर्माण की इस यात्रा में शुभकामनाएं देता हूँ।

प्रशांत कुमार स्वैन

(प्रशांत कुमार स्वैन)

अपर सचिव, भारत सरकार एवं
महानिदेशक, सीसीएस नियाम



1. परिचय

1.1 संस्थान

चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (CCS NIAM) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है। भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में कृषि विपणन को मजबूत करने के लिए इसे 1988 में एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में स्थापित किया गया था। संस्थान का शैक्षणिक गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, नीति वकालत, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम और कृषि विपणन में शिक्षा का संचालन करने के जनादेश के साथ स्थापित किया।

संस्थान, किसानों, किसान संगठनों, सहकारी समितियों, कृषि-व्यवसाय कंपनियों, कृषि-स्टार्टअप, कृषि उद्यमियों, कृषि विपणन विभागों के अधिकारियों, संबद्ध विभागों, अन्य हितधारकों की विस्तृत श्रृंखला की क्षमता निर्माण, अनुसंधान करने के बीच जागरूकता पैदा करने में, समकालीन कृषि विपणन मुद्दों पर, कृषि विपणन पर सरकारी, सहकारी और निजी क्षेत्रों में निर्णय निर्माताओं को परामर्श सेवाएं प्रदान करना, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को नीतिगत समर्थन और शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि-व्यवसाय क्षेत्र की सेवा के लिए तकनीकी प्रबंधकों को तैयार करने में महत्वापूर्ण भूमिका निभा रहा है।

1.2 विजन

शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान, नीति समर्थन और परामर्श सेवाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों की क्षमता

निर्माण करके, कृषि विपणन प्रणालियों की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए, और प्राथमिक उत्पादक को सशक्त बनाने के लिए संस्थान को एक उत्कृष्टता और ज्ञान का भंडार बनना है।

1.3 मिशन

प्राथमिक उत्पादकों, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को प्रभावी प्रशिक्षण और शैक्षिक कार्यक्रमों और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के माध्यम से प्राथमिक उत्पादन से लाभदायक रिटर्न के लिए प्रतिस्पर्धी रणनीति विकसित करने में सक्षम बनाना। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के माध्यम से कुशल, टिकाऊ और समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखला को सुगम बनाना। शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से उभरती कृषि व्यवसाय चिंताओं का प्रबंधन करने के लिए अभिनव कृषि उद्यमियों और पेशेवरों का पोषण करना। क्रिया उन्मुख और अनुप्रयुक्त अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से कृषि विपणन पर सार्वजनिक नीति के निर्माण और सुधार की सुविधा प्रदान करना। वैश्विक खाद्य सुरक्षा और सतत कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना। अभिनव अनुसंधान और इसके प्रसार के माध्यम से कृषि व्यवसाय बाजार के विकास और प्रबंधन ज्ञान और अभ्यास में योगदान करना।



चित्र 1: सीसीएस एनआईएम की अनिवार्य शैक्षणिक गतिविधियां

वार्षिक प्रतिवेदन

1.4 अनिवार्य (जनादेश)

संस्थान की स्थापना सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान निम्नालिखित जनादेश के साथ की गई थी।

- ❖ **शिक्षा:** प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) के माध्यम से युवा प्रबंधकों और पेशेवरों को तैयार करना।
- ❖ **प्रशिक्षण:** मौजूदा कृषि विपणन कर्मियों के कौशल का उन्नयन
- ❖ **अनुसंधान:** कृषि विपणन के विभिन्न समकालीन पहलुओं पर अनुसंधान
- ❖ **परामर्श:** कृषि विपणन पर सरकारी, सहकारी और निजी क्षेत्र में निर्णय लेने वालों के लिए परामर्श सेवाएं
- ❖ कृषि विपणन में नीति और परियोजना निर्माण में कृषि एवं सहकारिता विभाग की सहायता करना

1.5 उद्देश्य

संस्थान के ज्ञापन, नियमों और विनियमों के अनुसार मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार है

- ❖ डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रमों के माध्यम से कृषि विपणन में दीर्घकालिक संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करके मानव संसाधन विकसित करना।
- ❖ कृषि विपणन के समस्या क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त और परिचालन अनुसंधान के अध्ययन को शुरू करना और बढ़ावा देना और देश में कृषि विपणन से संबंधित विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों के समन्वय और प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर के नोडल बिंदु के रूप में कार्य करना।
- ❖ कृषि विपणन गतिविधियों जैसे राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एसएएमबी), राज्य विकास विभागों जैसे कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी, रेशम उत्पादन, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल संगठनों, सहकारी विपणन समितियां, कमोडिटी बोर्ड, इनपुट एजेंसियां और प्रगतिशील किसान, उद्यमी आदि के विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- ❖ दीर्घकालीन परियोजनाओं, नीति निर्माण पर अनुसंधान करना; प्रमुख मुद्दों पर स्थिति पत्र तैयार करना; विशिष्ट विपणन समस्याओं, प्रसंस्करण उद्योगों, निर्यात प्रबंधन आदि में केस स्टडी, जिनका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ता हो।
- ❖ स्थानीय संभावित संसाधनों का दोहन कर शिक्षित युवाओं के लिए स्वरोजगार सृजित करने में राज्य सरकार की सहायता करना।
- ❖ कृषि विपणन में उभरते मुद्दों पर नीतियां बनाने में सरकार की सहायता करना।
- ❖ कुशल, नवोन्मेषी और प्रतिस्पर्धी विपणन प्रक्रिया विकसित करने के लिए सभी संबंधितों के लाभ के लिए कृषि विपणन में देश में व्यापक सूचना नेटवर्क को कवर करना।
- ❖ एक 'उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में विकसित करने के लिए; कृषि विपणन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ पर्याप्त नेटवर्किंग स्थापित करना।

1.6 सामान्य निकाय, कार्यकारी समिति और शिक्षाविदों की स्थायी समिति की संरचना

सीसीएस एनआईएम सामान्य निकाय संस्थान की नीतियों का मार्गदर्शन करता है। माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, इसके अध्यक्ष हैं।

माननीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार इस सोसायटी के उपाध्यक्ष हैं। सामान्य निकाय में अन्य 28 आधिकारिक और गैर-सरकारी सदस्य भी होते हैं।

सीसीएस एनआईएम की कार्यकारी समिति संस्थान की गतिविधियों का मार्गदर्शन करती है। सचिव, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष हैं। कार्यकारी परिषद में अन्य छह आधिकारिक और गैर-सरकारी सदस्य हैं।



वार्षिक पर्विदन

सीसीएस एनआईएम की शिक्षाविदों की स्थायी समिति संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों का मार्गदर्शन करती है। सीसीएस एनआईएम के महानिदेशक समिति के अध्यक्ष हैं। समिति में नौ अन्य आधिकारिक और गैर-सरकारी सदस्य हैं।

1.7 दस शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना

प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, नीति वकालत, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों और शिक्षा के माध्यम से कृषि विपणन में उभरते क्षेत्रों को पूरा करने के लिए, सीसीएस एनआईएम ने निम्नलिखित दस शैक्षणिक केंद्र स्थापित किए हैं। केंद्रों का नेतृत्व संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्य करते हैं।

- I नीति, सुधार और कार्यक्रम केंद्र
- ii. नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र
- iii. कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र
- iv. आईसीटी और ई-नाम केंद्र
- v. सार्वजनिक निजी भागीदारी केंद्र
- vi. संस्थान निर्माण केंद्र
- vii. निगरानी और मूल्यांकन केंद्र
- viii. कृषि रसद केंद्र
- ix. कृषि व्यवसाय प्रबंधन और शिक्षा केंद्र
- x. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र

1.8 प्रभावी क्षेत्र

सीसीएस एनआईएम किसानों की सभी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए कार्य करता है। इसके अलावा, सभी हितधारकों की समस्याओं को भी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से हल किया जाता है। संस्थान की गतिविधियों का केन्द्र मौजूदा समस्याओं का व्यावहारिक समाधान खोजना है। सीसीएस एनआईएम विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से समाधान खोजता है, वे निम्नानुसार हैं:-

- ❖ राष्ट्रीय कृषि बाजार किसानों की आय दोगुनी करना
- ❖ कृषि-स्टार्टअप का प्रचार
- ❖ कृषि उद्यमिता विकास
- ❖ बागवानी फसलों का विपणन - फल और सब्जियां
- ❖ जैविक उत्पाद जैसी उच्च मूल्य की वस्तु की विपणन रणनीतियां
- ❖ वस्तुओं की विस्तृत श्रृंखला के विश्लेषण के लिए मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण
- ❖ फ्यूचर, फॉरवर्ड मार्केट और कमोडिटी एक्सचेंज
- ❖ कृषि विपणन और कानूनी सुधार
- ❖ जैविक, औषधीय और सुगंधित पौधे
- ❖ बाजारा आधारित प्रसार
- ❖ किसान उत्पादक संगठन और एफपीओ को बाजार से जोड़ना
- ❖ परक्राम्य गोदाम रसीद और उसके लाभ
- ❖ फसल बीमा

वार्षिक प्रतिवेदन

- ❖ कृषि व्यवसाय के अवसर
- ❖ वर्षा सिंचित क्षेत्रों में कृषि व्यवसाय
- ❖ कृषि भंडारण और वैज्ञानिक भंडारण
- ❖ मूल्य श्रृंखला विश्लेषण और विकास
- ❖ रबड़, चाय, मसाले और कॉफी का विपणन
- ❖ कौशल विकास कार्यक्रम
- ❖ उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- ❖ कृषि में ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग
- ❖ मूल्य संवर्धन
- ❖ सुगमकर्ता विकास
- ❖ पशुधन और पशुधन उत्पादों का विपणन
- ❖ गैर-लकड़ी वन उपज का विपणन
- ❖ कृषि पर्यटन
- ❖ ब्रांडिंग
- ❖ जोखिम प्रबंधन
- ❖ विकास पेशेवरों के लिए कार्य नैतिकता
- ❖ कृषि परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन

1.9 हितधारक

कृषि-मूल्य श्रृंखला के विकास में सभी हितधारक महत्वपूर्ण हैं। सीसीएस एनआईएम ने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से निम्नलिखित में समाधान करने का प्रयास किया है।





1.10 साझेदारियां: राष्ट्र के विकास हेतु विभिन्न माध्यम

सीसीएस एनआईएम ने देश में कृषि विपणन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए काम कर रहे व्यक्तिगत पेशेवरों और संगठनों के साथ जुड़ने के लिए सभी प्रयास किए। सीसीएस एनआईएम के साथ वर्ष के दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में से जुड़े महत्वपूर्ण संगठन इस प्रकार हैं:-

1. कृषि मंत्रालय, नेपाल
2. वेयर हाउस विकास और नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए)
3. लघु कृषक कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम
4. राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज)
5. न्यूक्लियस रबर एस्टेट एंड ट्रेनिंग सेंटर (एनआईटीसी), अगरतला
6. झारखंड कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (JMETI), रांची
7. राज्य कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेटी), शिमला
8. कृषि विज्ञान केंद्र (KVK)
9. सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)
10. शेर-ए-कश्मीर कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएसटी), श्रीनगर
11. नेताजी सुभाष चंद्र बोस कृषि विपणन संस्थान (एनएसटीआईएम), कोलकाता
12. पंजाब कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (PMETI), लुधियाना
13. सहकारी प्रबंधन संस्थान (आईसीएम)
14. प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई), मैसूर
15. राज्य कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेटी), कोलकाता
16. राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान (एसआईएमए), लखनऊ
17. भारतीय यात्रा और पर्यटन प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर
18. विस्तार शिक्षा संस्थान (ईईआई), जोरहाट
19. तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNU), कोयंबटूर
20. कृषि महाविद्यालय, मेदजीफेमा
21. वाईएस परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, (YSPUHF), सोलन
22. ग्रामीण संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (आरआईटीसी), मेघालय
23. असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट
24. कर्नाटक राज्य कृषि विपणन बोर्ड (केएसएमबी)
25. सरदार पटेल धनतेवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय (एसडीयू), गुजरात
26. इंद्रा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर
27. वसंतराव नाइक कृषि विस्तार और प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (वनमती), नागपुर
28. भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान, (आईआईपीएम), बैंगलोर
29. रबर बोर्ड

वार्षिक प्रतिवेदन

2. सीसीएस नियाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम – दुर्लभ हितधारकों तक पहुंच

सीसीएस नियाम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण है, जिसके माध्यम से यह देश भर में हितधारकों के विशाल समूह तक पहुंचता है। 2019-20 में, 360 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए गए हैं, जो परामर्श कार्यक्रमों सहित 19665 हितधारकों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

- ❖ सीसीएस नियाम के द्वारा सभी राज्यों को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से वर्ष के दौरान कवर किया गया था।
- ❖ सीसीएस नियाम के शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से सभी हितधारकों अर्थात् कृषि विपणन विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक संस्थान, आदिवासी किसान, कृषि-व्यवसाय के छात्र, कृषि-व्यवसाय संस्थान, उत्तर-पूर्वी राज्यों के किसान, कमोडिटी बोर्ड, सहकारी प्रबंधन संस्थान, एफपीओ, कृषि और लाइन विभाग, कृषि-स्टार्टअप, भागीदार संस्थानों, राष्ट्रीय संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संगठनों, पंचायती राज संस्थानों, सहकारी समितियों, कृषि उद्यमियों, व्यापारियों, कमीशन एजेंटों, मंडी सचिवों, एसएफएसी, एटीएमए अधिकारियों, प्रोसेसर, उद्योग संघों गोदामों, कृषि-लॉजिस्टिक ऑपरेटरों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को कवर किया गया था।
- ❖ 169 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं जो 6985 हितधारकों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
- ❖ इसके अलावा, 129 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं जिसमें परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से 4209 हितधारकों को कवर किया गया है।
- ❖ वर्ष के दौरान आउटरीच कार्यक्रम शुरू किए गए हैं जिसके माध्यम से सीसीएस नियाम की गतिविधियों के बारे में कृषि विश्वविद्यालयों के किसानों और छात्रों के 62 समूहों को कृषि विपणन और 8471 हितधारकों को कवर करते हुए संबोधित किया गया।
- ❖ वर्ष के दौरान विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से 1863 एससी उम्मीदवारों, 2249 एसटी हितधारकों, 1810 ओबीसी हितधारकों को भी कवर किया गया।
- ❖ 19665 हितधारकों को शामिल करते हुए कुल मिलाकर 360 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-



- ❖ सीसीएस नियाम के बैनर के तहत कार्यक्रम विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और SMETI जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ साझेदारी में आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न विकास कार्यक्रमों पर कृषि विपणन विभाग और संबद्ध विभागों के अधिकारियों को संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम विशेष रूप से एक राज्य विशिष्ट प्रमुख फसल या क्षेत्र के आसपास के विपणन मुद्दों को संबोधित करने पर केंद्रित थे। कृषि विपणन में सभी सार्वजनिक और निजी हितधारकों को शामिल करते हुए ऐसे तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।
- ❖ कृषि ज्ञान गहन ज्ञान शृंखला व्याख्यान का उद्देश्य देश के सभी महत्वपूर्ण हितधारकों के लिए कृषि विपणन में सबसे सफल अनुभवों को प्रचारित व प्रसारित करना है। कृषि विपणन में प्रमुख पेशेवर नेताओं को सीसीएस नियाम में अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था, फिल्मों के माध्यम से प्रलेखित किया गया था और सीसीएस नियाम के यूट्यूब चैनल सहित लागत प्रभावी आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश के सभी हितधारकों को प्रसारित किया गया था। समसामयिक विषयों पर 6 वार्ताओं का आयोजन किया गया है।
- ❖ सीसीएस नियाम ने पूर्वोत्तर राज्यों के किसानों और विस्तार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उच्च प्राथमिकता दी। पूर्वोत्तर राज्यों में 3975 हितधारकों को शामिल करते हुए 109 कार्यक्रम आयोजित किए गए।



- ❖ सीसीएस नियाम ने कृषि विपणन के विभिन्न आयामों को संबोधित करते हुए पूरे देश में 60 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे। ये कार्यक्रम अधिकतर भागीदार संस्थानों के साथ आयोजित किए गए थे, इस प्रकार 3380 हितधारकों को शामिल करते हुए सहक्रियात्मक प्रभाव सुनिश्चित किया गया।



वार्षिक प्रतिवेदन

नॉलेज पार्टनर बनकर और TIFAC, नई दिल्ली, IIAAST, जयपुर और मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से कृषि विपणन पर इनपुट प्रदान करके दो सम्मेलन आयोजित किए गए हैं।

2.1 सीसीएस नियाम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं:



2.2 सीसीएस नियाम के अनुसंधान कार्यक्रम- समाधान खोजने के लिए कार्य अनुसंधान

- ❖ वर्ष के दौरान संचालित 15 अनुसंधान परियोजनाओं में से 6 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 9 परियोजनाएं प्रगति पर हैं।
- ❖ एफपीओ द्वारा कटहल के लिए विपणन रणनीति पर अनुसंधान परियोजनाएं, राजस्थान में ई-नाम की कार्यप्रणाली, ग्रामीण गोदाम परियोजना की स्थिति, और औषधीय पौधों के लिए विपणन रणनीति, कृषि बाजार पर विस्तार कार्यकर्ताओं की जागरूकता और एगमार्कनेट की पहुंच को पूरा कर लिया गया है।
- ❖ किसान बिजनेस स्कूल एक एक्शन रिसर्च है जो किसानों की आय बढ़ाने के लिए नियाम की पहल है। केबीएस का उद्देश्य किसानों को आधुनिक उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों के बारे में शिक्षित करना है ताकि आय में वृद्धि हो। सभी महत्वपूर्ण चरणों में विशेषज्ञ संस्थानों द्वारा किसानों को वस्तु विशिष्ट ज्ञान और कौशल प्रदान किया जाता है। किसान बिजनेस स्कूल अनुसंधान गेहूं, मक्का, मछली, पोट्टी और डेयरी जैसी वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। 5 किसान बिजनेस स्कूल शुरू किए जा चुके हैं और प्रगति पर हैं।
- ❖ नीतिगत मुद्दों पर 4 अन्य अनुसंधान परियोजनाएं जैसे ई-नाम का प्रभाव, ग्रामीण ग्रामीण बाजारों का विकास, कृषि विपणन पर डीएसटी परियोजना और पूर्वी भारत में समावेशी और बाजार आधारित कृषि विकास के लिए संस्थागत नवाचारों का लाभ उठाने पर अनुसंधान परियोजना - आईएआरआई के द्वारा वर्ष के दौरान प्रारम्भ किया गया है और कार्य प्रगति पर है।

- ❖ किसानों को वैकल्पिक बाजारों से जोड़ने पर काम करने के लिए युवा प्रशिक्षुओं को लेकर आठ शोध इंटरनशिप कार्यक्रम पूरे किए गए हैं।

i. अनुसंधान परियोजना – सीसीएस नियाम एवं काजरी के सहयोग से

सीसीएस नियाम ने DST-CAZRI अनुसंधान परियोजना के साथ भागीदारी की है। सीसीएस नियाम ने बेहतर आजीविका के लिए बेहतर विपणन हेतु जलसंभर क्षेत्र में किसानों और समुदाय की क्षमता का निर्माण करने के लिए नीले, हरे और भूरे पानी की मात्रा, गुणवत्ता और शुष्क क्षेत्र में खाद्य और जल सुरक्षा में वृद्धि नामक डीएसटी-काजरी अनुसंधान परियोजना के साथ भागीदारी की और शुष्क क्षेत्र में खाद्य और आय सुरक्षा पर जल प्रबंधन के प्रभाव का आकलन करना। कार्यक्रम प्रारंभिक चरण में है।

2.3 सीसीएस नियाम द्वारा संचालित अनुसंधान कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं

- ❖ प्रारम्भ किए गए अनुसंधान कार्यक्रमों की संख्या : 12
- ❖ अनुसंधान कार्यक्रम के प्रकार:-
 - ✓ किसान बिजनेस स्कूल (KBS)
 - ✓ अनुसंधान इंटरनशिप कार्यक्रम
 - ✓ जैक फ्रूट के लिए मार्केटिंग रणनीति
 - ✓ ई-नाम के कामकाज की स्थिति
 - ✓ ग्रामीण गोदाम योजना का प्रभाव आकलन
 - ✓ औषधीय पौधों पर सर्वेक्षण रिपोर्ट
 - ✓ कृषि विपणन में विस्तार कार्यकर्ताओं की जागरूकता
 - ✓ किसानों तक एगमार्कनेट की पहुंच पर अध्ययन
 - ✓ शुष्क क्षेत्र में खाद्य और जल सुरक्षा बढ़ाना

2.4 सीसीएस नियाम के परामर्श कार्यक्रम: समस्याओं के समाधान के लिए हितधारकों की सहायता करना

- ❖ किसानों और एफपीओ के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 2737 हितधारकों को कवर करते हुए 80 कार्यक्रम कृषि बाजार अवसंरचना योजना के तहत आयोजित किए गए हैं जो कृषि बाजार बुनियादी ढांचा योजना के अन्तर्गत एमओए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।



वार्षिक प्रतिवेदन

- ❖ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के आरकेवीवाई-रफ़्तार कार्यक्रम के तहत 445 हितधारकों अर्थात् एग्री-स्टार्टअप और आर-एबीआई को कवर करते हुए 24 शैक्षणिक गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण, वेबिनार, कार्यशाला, निवेशक बैठक आयोजित की गई है। सीसीएस नियाम ने 59 कृषि-स्टार्टअप को प्रशिक्षित किया है, 39 कृषि उद्यमियों को 4.58 करोड़ रुपये का वित्त पोषण किया है।
- ❖ 54 अधिकारियों को शामिल करते हुए कृषि विपणन प्रबंधन पर तमिलनाडु सरकार के कृषि विपणन और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन अधिकारियों के लिए 3 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- ❖ राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण (एनआरए) के नीतिगत समर्थन और आय बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियों पर 4 प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजस्थान में 242 अधिकारियों को शामिल करते हुए वर्षा सिंचित क्षेत्रों में आयोजित किया गया।
- ❖ 35 एटीएमए कर्मचारियों के लिए कृषि विपणन पर उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



पंजाब में किसान जागरूकता कार्यक्रम डब्ल्यूडीआरए विनियमन

- ❖ वेयरहाउस डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्यूडीआरए) द्वारा प्रायोजित 17 जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम 696 वेयरहाउसमैन और अन्य हितधारकों के लिए आयोजित किए गए।
- ❖ सीसीएस नियाम ने वाटरशेड क्षेत्र में किसानों और समुदाय की क्षमता का निर्माण करने के लिए नीले, हरे और भूरे पानी की मात्रा, गुणवत्ता और प्रबंधन की बेहतर समझ के माध्यम से शुष्क क्षेत्र में खाद्य और जल सुरक्षा में वृद्धि नामक डीएसटी-काजरी अनुसंधान परियोजना के साथ भागीदारी की है। बेहतर आजीविका के लिए बेहतर विपणन प्रथाओं और अवसरों और शुष्क क्षेत्र में खाद्य और आय सुरक्षा पर जल प्रबंधन के प्रभाव का आंकलन किया। यह अनुसंधान परियोजना प्रगति पर है।
- ❖ आंध्र-प्रदेश सरकार, कृषि विपणन विभाग, राज्य में कृषि विपणन रणनीतियाँ बनाने के लिए संयुक्त रूप से एनसीएमएल द्वारा कार्यान्वयन भागीदार और सीसीएस नियाम द्वारा तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्यान्वित किया गया है। 1.63 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ परियोजना की अवधि 3 वर्ष है। यह परियोजना कृषि विपणन विभाग को 50 से अधिक वस्तुओं पर दैनिक, साप्ताहिक बाजार आसूचना सूचना प्रदान करती है।



NABI द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ- CCS NIAM का इनक्यूबेटर मशीन

- ❖ सीसीएस नियाम ने पांच राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड को शामिल करते हुए एमओए एंड एफडब्ल्यू की आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत ज्ञान भागीदार के रूप में मान्यता दी गई है। स्टॉफ की भर्ती की गई है। 59 कृषि-स्टार्टअप को कवर करने वाले 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं, 39 कृषि-स्टार्टअप को 4.58 करोड़ रुपये का वित्त पोषण किया गया है। CCS NIAM ने ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार में 4 R-BI की गतिविधियों का भी मार्गदर्शन किया।
- i. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कृषि बाजार अवसंरचना योजना के तहत सैंतीस कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं
- ii. राष्ट्रीय वर्षा आधारित कृषि प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित शुष्क क्षेत्र के किसानों और अधिकारियों के लिए चार कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।



Awareness Program under AMI Scheme at BAU, Sabour, Bihar

2.5 सीसीएस नियाम के नीति समर्थन कार्यक्रम: हितधारकों के लिए तकनीकी सहायता

- i द्विपक्षीय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग को नीतिगत इनपुट।
- ii. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से द्विपक्षीय समझौतों का कार्यान्वयन।
- iii. जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से गोदाम विनियमन को सुदृढ़ बनाना।
- iv. कृषि विपणन अवसंरचना योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

वार्षिक प्रतिवेदन

- v. ई-नाम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जागरूकता कार्यक्रम।
- vi. बारानी क्षेत्रों में सरकारी कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाना।
- vii. कृषि-विकास-ओडिशा, 2018 के माध्यम से नीतिगत इनपुट।
- viii. किसानों को बढ़ावा देना- सीआईआई से जुड़े उद्योग जुड़ाव
- ix. कृषि कल्याण अभियान के कार्यान्वयन में भागीदार
- x. कृषि स्टार्ट अप का प्रचार

2.6 सीसीएस नियाम के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम: स्थानीय कार्रवाई के लिए वैश्विक सोच

- ❖ राष्ट्रीय कृषि विपणन परिषद, दक्षिण अफ्रीका के अधिकारियों ने सीसीएस नियाम का दौरा किया और कार्य योजना और समझौता ज्ञापन के संबंध में चर्चा की।
- ❖ जर्मन दूतावास के अधिकारियों ने सीसीएस नियाम का दौरा किया और पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों पर चर्चा की।
- ❖ ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के अधिकारियों ने सीसीएस नियाम का दौरा किया और आपसी हित के क्षेत्रों पर चर्चा की।
- ❖ बारह मासिक ई-बुलेटिन वॉयस ऑफ सीसीएस नियाम द्वारा प्रकाशित किया गया जो 20,000 से अधिक हितधारकों को कृषि विपणन और सीसीएस नियाम की गतिविधियों की रिपोर्ट करता है।

2.7 शिक्षा

- ❖ PGDM (ABM) दो वर्षीय नियमित कार्यक्रम को AICTE द्वारा अनुमोदित किया गया है और CCS NIAM के पोर्टलों से अब तक 18 बैच पूरे किए जा चुके हैं। कार्यक्रम की यूएसपी पास आउट के बीच तकनीकी-प्रबंधकीय क्षमता विकसित करना है ताकि उन्हें कृषि मूल्य श्रृंखला की सेवा में मदद मिल सके। यह एक किफायती शुल्क के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर कार्यक्रम है।
- ❖ जून, 2020 में 59 छात्रों का एक बैच पास हो गया है और 22 कंपनियों में 7.45 लाख रु. प्रति वर्ष के सीटीसी के साथ 100% प्लेसमेंट हासिल किया है। 2019-20 के दौरान की गई अन्य गतिविधियों में एग्रोवन-बी-फेस्ट, एलुमनी मीट का आयोजन, फार्म टू फोर्क तिमाही न्यूजलेटर का प्रकाशन, सीसीएस एनआईएम फैकल्टी द्वारा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाओं की सलाह, छात्र सेमिनारों का आयोजन और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा ज्ञान श्रृंखला व्याख्यान शामिल हैं। NCDEX कार्यशाला, SAMUNATI द्वारा कृषि मूल्य-श्रृंखला कार्यशाला, डिजिटल मार्केटिंग पर वेबिनार, केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा, मैनेजर्स क्रिकेट लीग और नियाम प्रीमियर लीग का समापन, मैं और मेरा वृक्षारोपण अभियान किया गया। उद्योग जगत के नेताओं के साथ 9 बार बातचीत की गई। इसके अलावा, छात्रों द्वारा कई सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- ❖ 2019-21 बैच के सभी साठ छात्रों को 22 कंपनियों में समर इंटर्नशिप करवाया गया है।

2.8 सीसीएस नियाम के आरकेवीवाई रफ्तार कार्यक्रम: कृषि-स्टार्टअप को बढ़ावा देना।

सीसीएस नियाम- सेंटर फॉर इनोवेशन एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट, जयपुर, आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के कार्यान्वयन के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है।



ज्ञान साथी

सीसीएस नियाम ने जनवरी 2019 में नियाम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर की स्थापना की है, जो आर.के.वी.वाई-रफ़्तार एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर्स (राबी) को देश के पांच राज्यों में स्थित राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, ओडिशा में हैंडहोल्डिंग और इनक्यूबेशन सहायता प्रदान करता है; श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल और बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार। झारखंड में आर-एबीआई की पहचान का कार्य प्रगति पर है।



श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर- जयपुर
<http://www.sknu.ac.in/en/home/index>



राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान,
 कटक- ओडिशा <http://icar-nrri.in/>



बिहार कृषि विश्वविद्यालय
 सबौर-बिहार



आईआईटी खड़गपुर, प. बंगाल
<http://www.iitkgp.ac.in/>

2.9 आरकेवीवाई-रफ़्तार के अंतर्गत कार्यान्वित कार्यक्रम

CCS NIAM ने दो प्रकार के RKVY-RFTR कार्यक्रम शुरू किए हैं। विवरण निम्नानुसार हैं

- कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम**
 - ❖ कृषि उद्यमियों/कृषि आधारित स्टार्टअप के लिए दो महीने का प्रशिक्षण सह व्यावहारिक इंटरनशिप कार्यक्रम।
 - ❖ 10,000/- प्रति माह रुपये का वजीफा
 - ❖ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 5. लाख रुपये तक का पात्र कृषि उद्यमियों को सहायता अनुदान।
- स्टार्टअप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम-**
 - ❖ कृषि आधारित स्टार्टअप के लिए दो महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
 - ❖ DPIIT अधिसूचना के अनुसार कोई भी भारतीय स्टार्ट-अप आवेदन कर सकता है।
 - ❖ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से स्टार्ट-अप को बढ़ाने हेतु पात्र स्टार्ट-अप को 25 लाख रुपये तक की सीड फंडिंग यानी अनुदान सहायता।



वार्षिक प्रतिवेदन

- ❖ आउटरीच अभियान के तहत, नई शुरू की गई आरकेवीवाई-रफ्तार योजना और एनआईएएम कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर (एनएबीआई) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए; सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि-व्यवसाय प्रबंधन कॉलेजों, केवीके और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों सहित कुल लगभग तीन सौ पचास संस्थानों को नए प्रारम्भ किए गए कार्यक्रमों के विवरण के बारे में बताया गया।

iii. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति

ए. कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम

यह कार्यक्रम 29 मार्च, 2019 को 17 कृषि उद्यमियों के साथ शुरू किया गया था, जिसमें सात राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, नई दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सम्मिलित है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल थीं। अपनी तरह के पहले दो महीने के कार्यक्रम के माध्यम से, नियाम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर (एनएबीआई) मौजूदा और उभरते कृषि उद्यमियों, कृषि-व्यवसाय उद्यमों, उद्यमों और स्टार्ट-अप को विशेषज्ञ सलाह, प्रशिक्षण सह इंटरशिप, औद्योगिक के माध्यम से हैंडहोल्डिंग के माध्यम से सुविधा प्रदान कर रहा है। अटैचमेंट, मार्केट सर्वे, डेडिकेटेड मेंटरशिप, फाइनैसिंग, मौजूदा इनक्यूबेशन सेंटर्स के लिए एक्सपोजर और स्टार्टअप इकोसिस्टम अपने बिजनेस आइडिया को परिष्कृत करने और अपने स्टार्टअप्स को स्थापित करने के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में कार्य कर रहा है।

सीसीएस नियाम से स्नातक की उपाधि 17 कृषि उद्यमियों के पहले समूह को 28 मई, 2019 को एक समापन समारोह में दी गई, जहां उन्हें सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया।

बी. राबी (RABI) का समर्थन करना – एक ज्ञान भागीदार के रूप में

CCS NIAM (नॉलेज पार्टनर) के तहत नियाम एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर (ज्ञान भागीदार) प्रति माह सभी RABI के साथ एक वेबिनार भी आयोजित कर रहा है, जहाँ रफ्तार परियोजना के सभी प्रोजेक्ट पार्टनर एक समान मंच पर प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं और RKVY के निष्पादन संबंधी मुद्दों को हल करने में एक-दूसरे की मदद करते हैं।

आरकेवीवाई की गतिविधियां

1. स्टार्ट अप एग्री-इनक्यूबेशन प्रोग्राम - दूसरे बैच की चयन प्रक्रिया पूरी की गई। यह 6 जून से 5 अगस्त, 2019 तक शुरू हुई थी और इसमें 24 प्रतिभागियों का चयन किया गया।
2. स्टार्टअप एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम पर प्रकाशित अध्ययन सामग्री।
3. कृषि उद्यमिता उन्मुखीकरण कार्यक्रम: नियाम परिसर में 29 मार्च से 28 मई, 2019 तक पहला बैच पूरा हो गया है।
4. स्टार्टअप कृषि व्यवसाय कार्यक्रम का उद्घाटन 6 जून, 2019 को सीसीएस नियाम परिसर में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम 5 अगस्त, 2019 को पूरा हुआ था।
5. आरकेवीवाई के पहले बैच के प्रतिभागियों द्वारा 10 जून, 2019 को संयुक्त सचिव, आरकेवीवाई, भारत सरकार की उपस्थिति में कृषि भवन, नई दिल्ली में प्रस्तुति दी गई।
6. श्री राहुल सांखला, कंटेंट डेवलपर ने सीआईआई द्वारा 11.6.2019 को रोहतक, हरियाणा और 14.6.2019 को करनाल, हरियाणा में आयोजित दो कार्यक्रमों 'इनोवेटिव फार्मर्स मीट' में भाग लिया।
7. अखिलेश मिश्रा, कानूनी कार्यकारी और श्रीमती बरखा पारीक, व्यावसायिक कार्यकारी, आरकेवीवाई, दोनों ने जुलाई 2019 के पहले पखवाड़े में इस्तीफा दे दिया है। इसलिए उनके स्थान पर श्री आशुतोष व्यास एवं श्री अक्षय सिंह राणावत आरकेवीवाई परियोजना में संविदा के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए उचित चयन प्रक्रिया के बाद चयनित व्यावसायिक कार्यकारी और कानूनी कार्यकारी के पद पर शामिल हुए हैं।

8. NABI की टीम ने 27 जुलाई, 2019 को जे.के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित स्टार्टअप मास्टर क्लास कार्यक्रम में भाग लिया।
9. NABI ने स्टार्ट-अप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम की भागीदारी के लिए दिनांक 30.7.2019 को नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, अहमदाबाद का दौरा किया।
10. दिनांक 7.8.2109 को NIAM एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर, स्टार्ट-अप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों के लिए समापन समारोह का आयोजन किया है।
11. ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, जयपुर और विवेकानंद प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में दिनांक 30.8.2019 और 05.9.2019 को नियाम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर (एनएबीआई) के दो आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए।
12. तीसरे स्टार्ट-अप कृषि व्यवसाय कार्यक्रम का उद्घाटन 10 अक्टूबर, 2019 को सीसीएस एनआईएम परिसर में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम 10 दिसंबर, 2019 को पूरा हुआ।
13. एनआईएम में कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम-द्वितीय पर दो महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का चौथा बैच पूरा हुआ।
14. इनक्यूबेटेड स्टार्टअप नवीन क्षेत्रों से जैसे कृषि-प्रसंस्करण, पोस्ट हार्वेस्ट, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आईओटी, आईसीटी, सटीक खेती, डिजिटल कृषि, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, कृषि, रसद, मूल्य और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑनलाइन/ आभासी मंच, कृषि विस्तार, कृषि. इनपुट, फार्म मशीनीकरण और नवाचार, जैविक खेती और उत्पाद, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट से धन और पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी, माध्यमिक कृषि इत्यादि थे।
15. कुछ विशिष्ट स्टार्टअप एल्योय एकेल प्रा. लिमिटेड जिन्होंने 100% पर्यावरण के अनुकूल एल्योय-वेरा बैटरी बनाई जो रिमोट कंट्रोल और घड़ियों को पावर दे सकती हैं; EF Polymer (Fasal Amrit) ने एक प्राकृतिक EF पॉलीमर बनाया है जो जल धारण क्षमता और फसलों की उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है, Poultrify (मेंधिस प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा पशुधन व्यापार और पोल्ट्री फार्म प्रबंधन के लिए मोबाइल ऐप, 3 स्टेक लैब्स ने अभिनव कार्यक्रम विकसित किया है - कृषि-वस्तुओं की परख के लिए कृषि-वस्तु परख मशीन और समय और पारदर्शिता में सटीकता के साथ मैनुअल परख को बदलना। अपना गोदाम, रसद और आपूर्ति आधारित अभिनव स्टार्टअप के पास ग्रामीण क्षेत्रों में गोदामों के लिए जो अप्रयुक्त भवन हैं वो किसानों के भंडारण हेतु कमोडिटी वित्त और बाजार लिंकेज के एकीकृत मंच के साथ खोले गए हैं।

3 सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के शैक्षणिक केंद्र

3.1 नीति, सुधार और कार्यक्रमों के लिए केंद्र

केंद्र का उद्देश्य कृषि विपणन नीति सुधारों को मजबूत करने, अनुभवजन्य रूप से सुदृढ़ नीति अनुसंधान करने और नीतिगत निर्णयों के लिए ज्ञान आधारित इनपुट प्रदान करने में नेतृत्व की भूमिका प्रदान करना है।

कृषि-भंडारण के नियमन में नवीनतम विकास पर विशेषज्ञ वार्ता

डॉ. बी बी पटनायक, अध्यक्ष, डब्ल्यूडीआरए ने भारत में कृषि भंडारण के विनियमन में नवीनतम विकास पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने भंडारण और भंडारण की स्थिति, इसकी चुनौतियों और डब्ल्यूडीआरए की भूमिका पर चर्चा की, ताकि कटाई के बाद के नुकसान और अपव्यय को कम करने के लिए हितधारकों के बीच वैज्ञानिक भंडारण प्रथाओं को सुविधाजनक बनाया जा सके। उन्होंने ऋण सहायता की



वार्षिक प्रतिवेदन

सुविधा के लिए नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीद (एनडब्ल्यूआर) के माध्यम से गिरवी ऋण के लाभ पर भी जोर दिया। एनडब्ल्यूआर में किसानों की उपज के बदले आसानी से ऋण उपलब्ध कराने की क्षमता है। इसके अलावा, एग्री-वेयरहाउसिंग में नवीनतम विकास जैसे कि फ्यूचर ट्रेडिंग के साथ लिंक, गुणवत्ता आश्वासन के लिए परख सुविधा, मूल्य स्थिरीकरण, वेयरहाउसिंग (विकास और विनियमन) वेयरहाउस का पंजीकरण नियम, 2017, इलेक्ट्रॉनिक एनडब्ल्यूआर आदि पर सत्र के दौरान चर्चा की गई।

भाकृअनुप-सीआईएआरआई, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बैनर कार्यक्रम

27-29 नवंबर, 2019 के दौरान पोर्ट ब्लेयर, अंडमान निकोबार द्वीप में आईसीएआर - केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से सीसीएस नियाम द्वारा कृषि विपणन में नए आयाम - जैविक उत्पाद का विपणन पर एक बैनर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश की कृषि विपणन प्रथाओं को केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के साथ सुव्यवस्थित करना और आधुनिक विपणन तकनीकों की मदद से जैविक और जनजातीय उत्पादों के विपणन के तरीकों में तेजी लाना था। कार्यक्रम में कुछ एफपीओ सदस्यों सहित कृषि और संबद्ध विभागों के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कर्नाटक में कृषि विपणन प्रशिक्षण में नए आयाम

सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान ने 24 से 26 अक्टूबर, 2019 तक कर्नाटक राज्य कृषि विपणन बोर्ड के समन्वय से एएमटीसी हुबली में कृषि विपणन में नए आयाम पर तीन दिवसीय बैनर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, विभिन्न एफपीओ के 40 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया है। केंद्र क्षेत्र की योजनाओं जैसे अनुबंध खेती मॉडल अधिनियम 2018, एपीएलएम अधिनियम 2017, और कृषि विपणन में जोखिम प्रबंधन, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना और प्रत्यक्ष विपणन आदि के साथ विभिन्न कृषि विपणन विधियों पर चर्चा की गई।

सीसीएस नियाम में अनुसंधान इंटरनशिप

सुश्री भव्या, ए.पी., कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पीएचडी विद्वान द्वारा डॉ एस. आर. सिंह, उप निदेशक सीसीएस नियाम के मार्गदर्शन में एक शोध इंटरनशिप परियोजना पूरी की गई है। किसानों को फंक्शन हॉल से जोड़ना: एक कृषि विपणन परिप्रेक्ष्य शीर्षक परियोजना पर यह अध्ययन कर्नाटक राज्य के हासन जिले के अर्सिकेरे तालुक में किया गया था। अध्ययन के परिणाम से पता चलता है कि अगर किसानों को सीधे समारोह हॉल से जोड़ा जाता है, तो सीमांत लागत को बचाया जा सकता है और यह उत्पादक की हिस्सेदारी बढ़ाने का अवसर भी है। यह भी सिफारिश की जाती है कि डायरेक्ट लिंकेज को मजबूत करने के लिए सुविधाएं प्रदान कर कैटरर्स और किसानों दोनों पक्षों को सरकार को प्रोत्साहित करना चाहिए।

पुरस्कृत किसान द्वारा अभिनव कृषि पर 11वां कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान

11वां सीसीएस नियाम कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान 27 जनवरी, 2020 को उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान श्री रघुपत सिंह द्वारा दिया गया, जिन्हें प्रतिष्ठित आईसीएआर- जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार 2018 प्राप्त हुआ है। उन्होंने अभिनव कृषि पद्धतियों में अपने अनुभवों के बारे में बात की और सुझाव दिया कि किसानों और खेती के सतत विकास के लिए जैविक कृषि पद्धतियों का उपयोग करें। उन्होंने जैविक खेती, स्वदेशी बीजों के उपयोग और एकीकृत खेती के अनुभव साझा किए, जो कृषि व्यवसाय के सतत और समग्र विकास का एक समाधान है। उन्होंने जैविक उत्पादन पर अधिक जोर दिया क्योंकि यह एक तरफ इनपुट लागत को कम करता है और दूसरी तरफ, उपज की कीमत बाजार में कहीं बेहतर है।



मछली और मछली उत्पादों के विपणन में आईसीटी के अनुप्रयोग पर क्षमता निर्माण: त्रिपुरा

सीसीएस नियाम ने 17-19 सितंबर, 2019 तक कॉलेज ऑफ फिशरीज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में मछली और मछली उत्पादों के विपणन में ICT के अनुप्रयोग पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया है। श्री एन सी देबबर्मा, राजस्व और मत्स्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को अपने कृषि उद्यम से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग की जानकारी और लाभों के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया।

बाड़मेर में डीएसटी प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सीसीएस नियाम ने 9 जनवरी, 2020 को के.वी.के. गुडामालानी, बाड़मेर में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में CCS NIAM और ICAR के वैज्ञानिकों/अधिकारियों के साथ 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि गतिविधियों में पानी के प्रभावी उपयोग, छोटे और सीमांत किसानों को बाजार से जोड़ने जैसे कई विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। इस तरह के कार्यक्रम से किसानों ने कृषि में पानी के प्रभावी उपयोग और किसानों को बाजार से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं को समझा।



3.2 कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र

साल पत्ती के लिए मूल्य संवर्धन और विपणन लिंकेज: ओडिशा

कौशल विकास कृषि को कृषि व्यवसाय में बदलने में सफलता की कुंजी है। सीसीएस नियाम ने मयूरभंज, ओडिशा में बैक टू विलेज (B2V) के सहयोग से साल पत्ती के लिए मूल्यवर्धन और विपणन लिंकेज पर किसानों को तीन दिवसीय कौशल आधारित प्रशिक्षण का आयोजन किया है। किसान कौशल आधारित शिक्षा



सीखने के इच्छुक थे और उन्होंने उपयोगिता पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह कौशल आधारित प्रशिक्षण उनकी आय में बढ़ोतरी करेगा और उन्हें समाज में सशक्त बनाएगा।

औषधीय पौधों की खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सीसीएस नियाम ने जयपुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर स्किल डेवलपमेंट और राजस्थान स्टेट मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के सहयोग से 7 दिसंबर, 2020 को किसानों के आर्थिक विकास के लिए औषधीय पौधों की खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया और औषधीय पौधों की खेती पर विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर पेपर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य औषधीय पौधों की खेती, संरक्षण और कृषि तकनीक, मानकीकरण,

वार्षिक प्रतिवेदन

सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण, औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए फाइटो-रसायन विज्ञान और गुणवत्ता पहल, संस्थान नवाचार और औषधीय पौधों के प्रचार, औषधीय पौधों और उभरती प्रौद्योगिकी और औषधीय पौधों के प्रचार में उद्योगों की भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी लोगों का सामाजिक आर्थिक विकास के लिए कार्यक्रम के विभिन्न मुद्दों को कवर करना था। कार्यक्रम का परिणाम विभिन्न आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक अनुसंधान संगठनों, उद्योग और शिक्षाविदों के बेहतर नीतिगत निर्णयों के लिए उपयोगी रहा।



गुवाहाटी में असम के एसएसएमबी अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड, गुवाहाटी में 18 से 19 फरवरी, 2020 तक मंडी बोर्ड के अधिकारियों के लिए अच्छी कृषि विपणन प्रथाओं पर प्रशिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसएसएमबी के 19 अधिकारियों ने भाग लिया। एफपीओ के गठन, मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के निर्माण के साथ कृषि विपणन के अवसरों की क्षमता का एहसास करने का सुझाव दिया गया था ताकि उत्पादन के पूर्व से लेकर फसल के बाद के प्रबंधन सहित सभी गतिविधियों को अच्छी तरह से प्रबंधित किया जा सके।

वैज्ञानिकों का एसकेएनएयू का दौरा

एसकेएनएयू, जोबनेर के 20 वैज्ञानिकों की टीम के साथ उनके उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत एक संवाद सत्र का आयोजन दिनांक 20.02.2020 को सीसीएस नियाम में किया गया था। सत्र की अध्यक्षता डीजी सीसीएस नियाम ने की, जिसमें प्रतिनिधि भारत में कृषि विपणन को मजबूत करने के लिए सीसीएस एनआईएम की विभिन्न गतिविधियों पर उन्मुख थे। कार्यक्रम में पीजीडीएम (एबीएम) के छात्र और स्टार्टअप के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

अपर सचिव, एमओए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार, द्वारा ई-नाम पुस्तक का विमोचन।

राजस्थान में क्षेत्र अध्ययन के आधार पर सीसीएस नियाम के फेकल्टी द्वारा लिखित राजस्थान में ईएनएम का प्रदर्शन- एक केस स्टडी पर पुस्तक का विमोचन डॉ अभिलक्ष लिखी, अपर सचिव, एमओए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2020 को आईसीएम, हैदराबाद में आयोजित दक्षिणी राज्यों के विपणन विभागों की समीक्षा बैठक के दौरान किया गया।

3.3 आईसीटी और ई-नाम केंद्र

ई-कृषि एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जो बेहतर सूचना और संचार प्रक्रियाओं के माध्यम से कृषि लाभप्रदता में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अधिक विशेष रूप से, ई-कृषि में ग्रामीण क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) का उपयोग करने के लिए नवीन तरीकों की अवधारणा, डिजाइन, विकास, मूल्यांकन और अनुप्रयोग शामिल है, जिसमें कृषि और कृषि विपणन पर प्राथमिक ध्यान दिया गया है। अब सरकार देश भर में एपीएमसी में पारदर्शी बिक्री लेनदेन और कृषि जिनसों के मूल्य की निर्धारण के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल लागू कर रही है। इस संदर्भ में, सीसीएस नियाम ने कृषि विपणन में आईसीटी आवेदन के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने और अनुसंधान करने के लिए आईसीटी और ई-एनएम के लिए एक केंद्र शुरू किया।

- (i.) **प्रशिक्षण:** कृषि विपणन के विभिन्न पहलुओं जैसे कृषि विपणन में आईसीटी का उपयोग, ई-नाम की भूमिका, ई-गवर्नेंस, कृषि मूल्य श्रृंखला, बाजार आसूचना, आजीविका सृजन, मूल्य पर हितधारकों को प्रशिक्षित करने के लिए कुल 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, प्रसंस्करण, बागवानी पुलिस का विपणन



वार्षिक प्रतिवेदन

और मूल्य संवर्धन। 14 में से 8 कार्यक्रम उत्तर-पूर्वी राज्य में आयोजित किए गए।

- (ii) **परामर्श:** तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों के लिए कृषि विपणन और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण के लिए कुल 2 परामर्श परियोजनाएं चलाई गईं। तमिलनाडु सरकार की आवश्यकता के अनुसार क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रदान किए गए और 34 अधिकारियों को कृषि विपणन और कृषि व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया।
- (iii) **अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण:** इस केंद्र में एक शोध परियोजना तेलंगाना राज्य में अश्वगंधा, एलोवेरा और आंवला की खेती/संग्रह प्रथाओं और बाजार विश्लेषण का अध्ययन करने के लिए शीर्षक वाली परामर्श परियोजना के तहत पूरी की गई थी और इसे प्रस्तुत किया गया था। यह परियोजना राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा दी गई थी।
- (iv) **संगोष्ठी/कार्यशाला/संगोष्ठी:** राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर वर्ष के दौरान 3 कार्यक्रमों में भाग लिया गया और उत्तर प्रदेश के एपीएलएम अधिनियम, 2018, इसके परिचालन दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मॉड्यूल का संशोधन बागवानी प्रशिक्षण संस्थानों के लिए 10 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मसौदा दस्तावेज को समृद्ध करने के लिए तकनीकी इनपुट दिए गए,

क्र सं	दिनांक	शीर्षक	स्थान	टिप्पणी
1.	10.07.2019	मॉडल अधिनियम पर कार्यशाला ... राज्य / केंद्रशासित प्रदेश कृषि उपज और पशुधन अनुबंध खेती (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2018 भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया।	मंडी परिषद लखनऊ	पैनल विशेषज्ञ के रूप में
2.	16.07.2019	परामर्श बैठक में भाग लेने के लिए - आत्मा के परिचालन दिशानिर्देशों में संशोधन के लिए कार्यशाला	पशु चिकित्सा विज्ञान कॉलेज, गुवाहाटी	विशेषज्ञ सदस्य
3.	06.08.2019	बागवानी प्रशिक्षण संस्थानों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल	केवीके, बारामती	विशेषज्ञ सदस्य के रूप में

- (v) **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन:** खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (जीएमएसटी-2019) पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त रूप से सीसीएस एनआईएएम, हाई-टेक हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी, मेरठ और एसवीपीयूएटी, मेरठ द्वारा एनआरसी, तबीजी, अजमेर 1 से 3 दिसंबर, 2019 तक में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एनआईएएम के तीन अधिकारियों को कृषि और कृषि विपणन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।
- (vi) **समर इंटरनशिप के लिए मेंटर:** पीजीडीएम (एबीएम) के 15 छात्रों को समर इंटरनशिप प्रोग्राम के दौरान मेंटरिंग के लिए आवंटित किया गया था और विभिन्न कंपनियों जैसे इचिबन, यस बैंक, डीसीएम श्रीराम, पॉलीप्लेक्स, एएससीआई और बायर क्रॉप साइंस में विभिन्न स्थानों पर रखा गया था। नई दिल्ली में छात्रों को सलाह देने के लिए व्यक्तिगत रूप से कंपनियों का दौरा किया और उन्हें एसआईपी के तहत दी गई परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन किया।

वार्षिक प्रतिवेदन

- (vii) **हैलो किसान कार्यक्रम:** हैलो किसान पर लाइव फोन आधारित कार्यक्रम में ई-एनएएम के तौर-तरीकों पर डीडी किसान चैनल में भाग लिया गया और इसका संचालन 9 दिसंबर, 2019 को शाम 6 से 7 बजे डीडी किसान पर हितधारकों के लाभ के लिए किया गया।



Training Program on Integrated Farming Systems at Manipur



Training program on Marketing of Medicinal and Aromatic plants at Manipur



Training on "e-NAM Why, How and Challenges" at SAMETI, HP



Use of ICT platform to disseminate the information through Krishi Gyan Deep

इस केन्द्र ने “कृषि विपणन के नये आयाम-फोकस फसल-कपास” पर एस.डी. कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात के सहयोग से बैनर कार्यक्रम का आयोजन किया।



Banner Program on New Dimensions in Agricultural Marketing at Gujarat



Training Program on e-NAM at Manipur

3.4 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए केंद्र

(i) सीसीएस नियाम में जर्मन प्रतिनिधिमंडल का दौरा

भारत-जर्मन प्रतिनिधिमंडल के सदस्य डॉ. रघु ने 26 फरवरी, 2020 को सीसीएस नियाम का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत डीजी सीसीएस नियाम ने किया। चर्चा सीसीएस नियाम और इसकी गतिविधियों के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू की गई थी, जिसके बाद कृषि विपणन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. रघु ने पीजीडीएम एबीएम छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें जर्मनी और जी के अन्य हिस्से में अवसरों की खोज के बारे में जानकारी दी।

(ii) दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ अध्ययन सह इंटरफेस बैठक

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों के साथ दो दिवसीय अध्ययन सह इंटरफेस बैठक 23 अप्रैल, 2019 को सीसीएस नियाम में आयोजित की गई थी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक विकास व्यापार और विपणन के उप महानिदेशक श्री मखुलुली मनकाजाना ने किया था। बैठक की अध्यक्षता सीसीएस नियाम के महानिदेशक ने की। चर्चा सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (एनआईएम) और राष्ट्रीय कृषि विपणन परिषद, दक्षिण अफ्रीका (एनएएमसी) के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर केंद्रित थी। सीसीएस नियाम के संकाय सदस्य, आरकेवीवाई के कार्यकारी, एनएएमसी के सीईओ और सहायक निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दक्षिण अफ्रीका चर्चा के दौरान उपस्थित थे। विभिन्न संभावित क्षेत्रों जैसे सहयोग के लिए संस्थागत तंत्र, कृषि विपणन और नीतियों में अच्छी प्रथाओं का संकलन, एफपीओ की नेटवर्किंग, एफपीसी प्रतिनिधियों की अध्ययन सह एक्सपोजर यात्रा, एग्रीस्टार्टअप की आभासी सलाह आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।



ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के प्रतिनिधिमंडल में श्री जॉन साउथवेल, काउंसलर और सुश्री सुसान मैथ्यू, वरिष्ठ अनुसंधान

अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने 16 जुलाई, 2019 को सीसीएस नियाम का दौरा किया और महानिदेशक सीसीएस नियाम और एनआईएएम संकाय के साथ एक उपयोगी चर्चा की। चर्चा की अध्यक्षता महानिदेशक सीसीएस नियाम और कृषि विपणन के विभिन्न मुद्दों पर हुई। पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, एग्री वेस्ट मैनेजमेंट, फैकल्टी एंड स्टूडेंट एक्सचेंज, एग्रीकल्चर में एंटरप्रेन्योरशिप, एग्रीकल्चरल मार्केटिंग प्रॉब्लम्स और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (e-NAM) कार्यक्रम में गहरी दिलचस्पी दिखाई। प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के द्विपक्षीय संबंधों को स्वीकार किया और कृषि विपणन के क्षेत्र में निकट भविष्य में सीसीएस एनआईएएम के साथ जुड़ने में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

सीसीएस नियाम- INSEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समन्वय बैठक

सीसीएस नियाम एवं इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नागपुर के सहयोग से मार्केट लैड एक्सटेंशन मैनेजमेंट पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इस संदर्भ में, बाजार आधारित विस्तार प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की तीसरी समन्वय समिति की बैठक 29 नवंबर, 2019 को सीसीएस एनआईएएम, जयपुर में आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता आईएनएसईई अध्यक्ष प्रो. के नारायण गौड़ा ने की। बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल समापन के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

3.5 निगरानी और मूल्यांकन केंद्र

सीसीएस नियाम में परियोजना गतिविधियों पर प्रतिक्रिया और उनके तत्काल अल्पकालिक प्रभाव, भौतिक और वित्तीय निगरानी, स्थापित कार्यक्रमों और सफलता के संकेतकों की परियोजना या कार्यक्रम गतिविधियों की प्रगति को मापने, गतिविधियों की प्रगति या आउटपुट उत्पादन की सफलता के लिए लेखांकन कारकों की पहचान करने और प्रारंभिक प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए शामिल है। निगरानी और मूल्यांकन केंद्र परियोजना के प्रभाव का पता लगाने के लिए कृषि विपणन, बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और मूल्यांकन अध्ययन से संबंधित विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को हाथ में लेगा। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, देश के विभिन्न हिस्सों में 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और इस केंद्र में 2 परामर्श परियोजनाएं संचालित की गईं।

इसके अंतर्गत की गई गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है:-

- (i) **प्रशिक्षण:** कृषि विपणन के विभिन्न पहलुओं जैसे उत्पादन और मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण, एकीकृत कृषि प्रणाली, बाजार आधारित विस्तार, किसानों को बाजार से जोड़ने, पैकेजिंग, ग्रेडिंग, बागवानी पुलिस के विपणन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों को प्रशिक्षित करने के लिए कुल 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। 14 में से 10 कार्यक्रम उत्तर-पूर्वी राज्य में आयोजित किए गए।
- (ii) **परामर्श:** तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के लिए कृषि विपणन और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण के लिए कुल 2 परामर्श परियोजनाएं संचालित की गईं। तमिलनाडु सरकार की आवश्यकता के अनुसार क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रदान किए गए और 20 अधिकारियों को कृषि विपणन और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा, इस योजना के तहत क्षेत्र के पदाधिकारियों और अधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए केंद्र के तहत एक परामर्श कार्य प्रारम्भ किया गया।
- (iii) **अनुसंधान परियोजना पूर्ण:** अनुसंधान इंटरनशिप कार्यक्रम के तहत किसानों को फंक्शन हॉल से जोड़ना- एक विपणन परिप्रेक्ष्य शीर्षक से एक शोध परियोजना पूरी हुई और नियाम को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस परियोजना को यूएएस, बेंगलुरु की सुश्री भव्या ए.पी., पीएच.डी. द्वारा पूरा किया गया था। डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक इस शोध परियोजना के मार्गदर्शक और संरक्षक थे।

- (iv) **किसान कॉल सेंटर के लिए एसपीओसी:** कृषि विपणन पहलुओं के संबंध में किसानों द्वारा अनुभव की जाने वाली दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को संभालने के लिए सीसीएस नियाम वेबसाइट पर एक एकल संपर्क बिंदु बनाया गया है।
- (v) **कृषि पत्रकारिता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए इनपुट:** स्वयं सहायता पत्रकारिता जैसे मुद्दों पर इनपुट, कृषि पत्रिका, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के लिए कैसे लिखें, रेडियो स्क्रिप्ट कैसे तैयार करें, टीवी कार्यक्रम के लिए सामग्री कैसे तैयार करें, कृषि पर प्रिंट मीडिया के संबंध में क्या करें और क्या न करें। ये सब जानकारी मंत्रालय को उपलब्ध कराई गई।
- (vi) **संगोष्ठी/कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक:** वर्ष के दौरान राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान बीज मसाले के लिए एनआरसी, अजमेर में आयोजित 2 कार्यक्रमों में भाग लिया गया और दो शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और कार्यक्रमों के दौरान तकनीकी जानकारी भी दी गई।

क्र सं	दिनांक	शीर्षक	स्थान	टिप्पणी
1.	1 से 3 दिसंबर, 2019	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जीएमएसटी, 2019 पर तीसरी वैश्विक बैठक	खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीएआर-एनआरसीएसएस, अजमेर	सम्मेलन निदेशक
2.	11.07.2019	अरोमा उद्योग के लिए रोड मैप बनाने के लिए संगोष्ठी आयोजित करने के लिए कार्यशाला में भाग लिया।	भाकृअनुप-केएबी-2 नई दिल्ली	संगोष्ठी के लिए मामले को अंतिम रूप देने के लिए

3.6 सार्वजनिक निजी भागीदारी के लिए केंद्र (पीपीपी)

सीसीएस नियाम में सेंटर फॉर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप उभरते रुझानों को संबोधित करने और कृषि विपणन परिदृश्य में बदलाव के साथ सरेखित करने के लिए स्थापित दस केंद्रों में से एक है। पीपीपी केंद्र विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि विपणन को बढ़ावा देने के लिए नियाम और उसके 35 एमओयू भागीदारों और सभी हितधारकों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इस केंद्र के तहत, सीसीएस नियाम और कृषि संबंधित संगठनों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) भारत जैसे विकासशील देशों में संसाधन-गरीब छोटे धारकों की आजीविका में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी, संसाधनों, कौशल, विशेषज्ञता और बाजार पहुंच का उपयोग करने के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र है। पीपीपी का मुख्य फोकस बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर था; कृषि और विशेष रूप से छोटे किसानों के लिए उनका आवेदन अपेक्षाकृत नया है। कृषि में पीपीपी की आवश्यकता कुछ कारणों से है जैसे कृषि में अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना, एमएसपी में वृद्धि खेती को प्रोत्साहित करना, किसानों के लिए संस्थागत ऋण, बढ़ती उपज और गुणवत्ता वाले बीजों का उपयोग, खेती का मशीनीकरण बढ़ाना आदि।

कार्यक्रम और गतिविधियां

- संबंधित एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापनों के माध्यम से साझेदारी करना।
- किसानों/सरकारी एजेंसियों/अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों गैर सरकारी संगठनों/सार्वजनिक और निजी क्षेत्र/छात्रों में कृषि व्यवसाय कंपनियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- कृषि व्यवसाय में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के क्षेत्रों में संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की जरूरतों और प्रभाव का आकलन करने के लिए अनुसंधान अध्ययन।

3.7 कृषि-व्यवसाय प्रबंधन और शिक्षा केंद्र

पीजीडीएम एबीएम द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 21-24 अक्टूबर, 2019 से समुन्नती फाइनैस इंटरमीडिएशन एंड सर्विसेज



Entrepreneurship Development at Assam



*National Workshop on “E-commerce Strategy for Sustainable Agribusiness”
at NITTE, Mangalore*

लिमिटेड के सहयोग से सीसीएस एनआईएम द्वारा कृषि मूल्य श्रृंखला पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि छात्र मूल्य श्रृंखला मानचित्रण की जटिलताओं और पेचीदगियों को समझने में सक्षम थे। इस कार्यशाला ने छात्रों को कृषि मूल्य श्रृंखला में विभिन्न चरणों में विभिन्न अभिनेताओं द्वारा निभाई गई भूमिका को समझने में मदद की है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए इस कार्यशाला के माध्यम से एक प्रमुख सीख में एकत्रीकरण और अलग-अलग दृष्टिकोण शामिल है। कार्यशाला के दौरान मूल्य श्रृंखला के जमीनी स्तर के पहलुओं को समझने के लिए एक भ्रमण का भी आयोजन किया गया। एनआईएम गतिशील प्रशिक्षकों श्री एनवी रमना, श्री शंकर दत्ता, श्रीमती फणीप्रिय नंदुला और सुश्री मनविता रेड्डी के निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हैं।



(i) पीजीडीएम एबीएम के छात्रों ने डीसीबी बैंक प्रतियोगिता जीती

पीजीडीएम एबीएम के छात्रों ने डीसीबी बैंक लिमिटेड द्वारा आयोजित डीसीबी बैंक- टॉप रिक्रूट सीजन 6 राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम जीता। इस कार्यक्रम में 200+ टॉप बी स्कूलों के लगभग 3000 छात्रों ने भाग लिया। इसमें 4 राउंड हैं और पीजीडीएम एबीएम के श्री शिशिर और श्री रमन ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता जीती और रुपये 50,000/- का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

वार्षिक प्रतिवेदन



(ii) सीसीएस नियाम में किसान दिवस समारोह

भारत के पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को चिन्हित करने के लिए 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस सीसीएस नियाम में मनाया गया। महानिदेशक सीसीएस नियाम ने एनआईएम संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को देश में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के योगदान पर संबोधित किया। इस अवसर पर डीजी द्वारा शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को शपथ दिलाई गई।

(iii) वीडियो मार्केटिंग पर वेबिनार

पीजीडीएम एबीएम प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पीजी सेल द्वारा वीडियो मार्केटिंग पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में प्रो. सीमा गुप्ता, आईआईएम बैंगलोर द्वारा व्याख्यान दिया गया था। छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में समकालीन प्रथाओं और सोशल मीडिया प्रचार के संबंध में वीडियो के प्रचार के लिए मंच के उपयोग से अवगत कराया गया। यह वीडियो मार्केटिंग की रणनीति को समझने के लिए छात्रों के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला



(iv) केंद्रीय बजट 2020-21 पर पैनल चर्चा

10 फरवरी को, सीसीएस एनआईएम ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के सहयोग से केंद्रीय बजट 2020-21 पर पैनल चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महानिदेशक द्वारा केंद्रीय बजट की ब्रीफिंग के साथ हुई, जिसमें कृषि क्षेत्र में बढ़े हुए बजट आवंटन के महत्व पर जोर दिया गया। चर्चा का संचालन आमंत्रित उद्योग विशेषज्ञ श्री पुलकित खंडेलवाल, सीए, सुश्री दिव्या खंडेलवाल, सीए और श्री नवनीत



अग्रवाल, सहायक निदेशक, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जयपुर द्वारा किया गया। सत्र की शुरुआत पूरे केंद्रीय बजट और कराधान के अवलोकन के साथ हुई।

(v) **कैंपस प्लेसमेंट पीजीडीएम (एबीएम):**

पीजीडीएमएबीएम विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पेशेवरों का चयन करता है। कृषि-इनपुट/आउटपुट मार्केटिंग, कृषि प्रसंस्करण, निर्यात-आयात, कमोडिटी ट्रेडिंग, माइक्रोफाइनेंस, बैंकिंग, कृषि-व्यवसाय परामर्श, खुदरा बिक्री आदि। पिछले दो दशकों में सीसीएस नियाम को 100% प्लेसमेंट का गौरव प्राप्त है।



(vi) **कॉर्पोरेट इंटरफ़ेस:** कॉर्पोरेट इंटरफ़ेस सीसीएस नियाम की एक आंतरिक छात्रों की गतिविधि है जो हमेशा बदलते उद्योग की कॉर्पोरेट और प्रबंधन नीतियों को समझने के लिए एक इंटरफ़ेस प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है। 2019-20 के दौरान, ADM, UPL, गोदरेज एग्रोवेट, NCDEX, Big Basket, MPOC, KNP Arises Green Energy Pvt Ltd., PwC जैसे उद्योग जगत के नेताओं के साथ 9 इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए।

कॉर्पोरेट इंटरफ़ेस के हिस्से के रूप में आयोजित अतिथि व्याख्यान का विवरण नीचे दिया गया है: -

06 अगस्त, 2019	श्रीमती प्रियंका सिन्हा (क्षेत्रीय प्रमुख)	ड्यूपॉन्ट
30 अगस्त, 2019	श्री प्रशांत रेड्डी (जीएम- ट्रेडिंग)	एडीएम
15 अक्टूबर, 2019	श्री पी राजपांडियन और श्री धनंजय भंडारी	यूपीएल
18 अक्टूबर, 2019	श्री रितेश भारद्वाज और श्री सौगत नियोगी	गोदरेज एग्रोवेट
11 नवंबर, 2019	सुश्री अदिति मुखर्जी, श्री अरुण कुमार, श्री सतीश सहाने और श्री प्रीतिश रोहन	एनसीडीईएक्स
19 नवंबर, 2019	श्री कार्तिक कुमार और श्री दिलीप भारती	बिग बास्केट
19 नवंबर, 2019	सुश्री भावना शाह	एमपीओसी
21 दिसंबर, 2019	श्री रवि कुमार जैन (सह-संस्थापक), श्री सुशील वैष्णव (संस्थापक), और श्री मुकेश जैन (निवेशक) और सह-संस्थापक)	केएनपी अराइज ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
18 फरवरी, 2020	श्री रविंदर ग्रोवर (एसोसिएट डायरेक्टर)	पीडब्ल्यूसी

वार्षिक प्रतिवेदन

- (vii) **छात्र संगोष्ठी:** 2019-20 के दौरान, वर्तमान रुचि के विषयों पर छात्रों के लिए 24 सेमिनार आयोजित किए गए।
- (viii) **पुरस्कार और छात्रवृत्तियां:** पीजीडीएम एबीएम बैच 2018-20 के दो छात्रों को एक्जिम बैंक से 1.5 लाख की छात्रवृत्ति मिली। प्रत्येक वर्ष पीजीडीएम एबीएम कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के 2 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है (एक सामान्य वर्ग का छात्र और दूसरा विशेष वर्ग के लिए)। सुश्री सोनी नंदा और सुश्री मनीषा एस को पीजीडीएम एबीएम बैच 2018-20 से पहले वर्ष में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर चुना गया था।
- (ix) **पाठ्येतर गतिविधियां नियाम प्रीमियर लीग (मार्च 2019):** वर्ष 2008 में शुरू की गई नियाम प्रीमियर लीग (एनपीएल) एकजुटता का उत्सव है, जहां पूर्व छात्र और वर्तमान बैच क्रिकेट के खेल का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं। यह एक विरासत है जो सीसीएस नियाम के प्रत्येक आगामी बैच को दी जाती है। एनपीएल का आयोजन 17 -20 मार्च 2019 के दौरान किया गया था जिसमें पीजीडीएम एबीएम 2017-19 की लड़कियों की टीम 'द फीनिक्स' विजयी हुई थी।
- (x) **सीसीएस नियाम में ग्रीन कैंपस पहल:** पीजीडीएम एबीएम के नए बैच ने 20 जुलाई 2019 को सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान में वृक्षारोपण दिवस मनाया, इस अवसर पर पीजीडीएम के साथ संस्थान के महानिदेशक, डीन और निदेशक, संकाय ने भाग लिया। प्रत्येक छात्र ने एक पौधा लगाया जो व्यक्ति और संस्था के विकास और समृद्धि का प्रतीक है।



वार्षिक स्पोर्ट्स मीट - नियाम प्रीमियर लीग (एनपीएल)



परिसर में वृक्षारोपण

3.8 कृषि रसद केंद्र

भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, जो बड़े पैमाने पर अपनी कृषि उपज के लिए जानी जाती है, लेकिन भारतीय कृषि उपज के एक बड़ा हिस्सा लापरवाही के कारण नुकसानदायक हो जाता है। दुर्भाग्य से, परिवहन और भंडारण की खराब स्थितियों के कारण, कई टन कृषि उत्पाद, कीटों के कारण नष्ट हो जाते हैं और सड़ जाते हैं। इनमें अक्सर या तो कोई कमी होती है, या फिर खराब गुणवत्ता होती है। कृषि भंडारण की सुविधा के अभाव में किसानों को तुरंत बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे बाजार में अनावश्यक अधिशेष की बाढ़ आ जाती है, जो हर दिन बर्बाद हो रही है। सेंटर फॉर एग्री लॉजिस्टिक्स का उद्देश्य किसानों को बेहतर और वैज्ञानिक भंडारण के उपयोग के प्रति उनकी क्षमता और समझ को मजबूत करने, फसल के दौरान नुकसान और अपव्यय को

रोकने और अपने कृषि उत्पादों के लिए अच्छी कीमत प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। केंद्र ने देश के विभिन्न स्थानों पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए:

- ❖ 03.08.2019 को मैनेज, हैदराबाद में 85 हितधारकों को शामिल करते हुए गोदाम पंजीकरण और e-NWR और e-NAM के बीच इंटरफेस पर कार्यशाला।
- ❖ 110 हितधारकों को शामिल करते हुए 31.08.2019 को विजयवाड़ा में गोदाम पंजीकरण और इंटरफेस b/w e-NWR और e-NAM पर कार्यशाला।



- ❖ गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्य में आठ (पांच दिवसीय) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को गोदाम प्रबंधन के मुद्दों और चुनौतियों को समझने में मदद करना और उन्हें 224 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए एक प्रभावी और कार्यान्वयन योग्य रणनीति विकसित करने में सक्षम बनाना था।
- ❖ 362 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में वेयरहाउसिंग डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्यूडीआरए) पर नौ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, (ISEC) बेंगलुरु के सहयोग से ग्रामीण गोदाम योजना (ग्रामीण भंडार योजना) के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता पर अनुसंधान अध्ययन शुरू किया।



3.9 नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र

कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए, सीसीएस नियाम में नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र स्थापित किया गया है। केंद्र के प्रमुख उद्देश्य कृषि विपणन में नवाचार की अवधारणा को बढ़ावा देना, क्षमता

वार्षिक प्रतिवेदन



निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमशीलता सिद्धांत और व्यवहार में ज्ञान और अंतर्दृष्टि का प्रसार करना, हितधारकों की सुविधा के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय नेटवर्क के साथ उद्यमी सलाहकारों के साथ गठजोड़ करना, वृद्धि करके आर्थिक विकास में तेजी लाना है। कृषि क्षेत्र के उद्यमी, ग्रामीण युवाओं में कम रोजगार और बेरोजगारी की चुनौती को कौशल और उद्यमशीलता की भावना के माध्यम से संबोधित करते हुए, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने, परियोजना अनुमोदन प्राप्त करने, ऋण और विभिन्न पहलुओं पर संभावित उद्यमियों का मार्गदर्शन और सहायता करने के लिए। इस ऊष्मायन केंद्र के माध्यम से उद्यमशीलता संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्थन प्रणाली, प्रौद्योगिकियों पर जानकारी की एजेंसियों से सुविधाएं और नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास को सक्षम करने वाले मॉडल विकसित करने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ की गई थीं:

- ❖ कृषि विकास-राजस्थान में 30 हितधारकों को शामिल करते हुए कृषि नवाचारों की खोज
- ❖ 275 हितधारकों को कवर करते हुए कर्नाटक में कृषि उद्यमी शिखर सम्मेलन, एनआईटीई विश्वविद्यालय
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में 438 हितधारकों को शामिल करते हुए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- ❖ जयपुर में कृषि-ऊष्मायन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 25 प्रतिभागियों को शामिल किया गया
- ❖ जयपुर में उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर
- ❖ जयपुर में उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसमें 104 प्रतिनिधि शामिल हुए।





नागालैंड में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.9.1 नियाम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर:

उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से RKVY RAFTAAR योजना के सुचारू और कुशल निष्पादन के लिए CCS NIAM कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। सेंटर फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट के तहत, NIAM एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर (NABI) की स्थापना देश में चार RKVY- RAFTAAR एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर्स (R-ABI) को हैंड होल्डिंग सपोर्ट प्रदान करने के लिए की गई है, जहां नवोदित कृषि उद्यमी और कृषि-स्टार्टअप के लिए एकीकृत इनक्यूबेटर समर्थन प्राप्त कर रहे हैं



Participants of first Agripreneurship Orientation Program

वार्षिक प्रतिवेदन

सेंटर फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट के तहत सीसीएस नियाम की सफलता दर को नॉलेज पार्टनर द्वारा इनक्यूबेट किए गए अनुशंसित स्टार्टअप्स की संख्या से मापा जा सकता है। 4 कार्यक्रम आयोजित करके, सीसीएस नियाम में आरकेवीवाई-रफ्तार परियोजना के तहत कुल 59 कृषि-स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया गया था, जिनमें से 39 (23 स्टार्टअप और 16 कृषि उद्यमियों) को 4.58 करोड़ रुपये के सहायता अनुदान के लिए अनुशंसित किया गया था। स्टार्टअप फंडिंग और इसके मूल्य ढांचे को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए इन्वेस्टर मीट और बायर सेलर मीट जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

3.10 संस्थान निर्माण के लिए केंद्र

सेंटर फॉर इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग का उद्देश्य क्षमता निर्माण के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विपणन संस्थानों को मजबूत करना है। संस्थान निर्माण अभ्यास में प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और परामर्श जैसे गतिविधियों के व्यापक स्पेक्ट्रम शामिल हैं। इस तरह के अभ्यास के परिणामस्वरूप, मौजूदा संस्थान जीवंत, उत्तरदायी, आवश्यकता आधारित और ग्राहक केंद्रित संगठन बनने का लक्ष्य रख सकते हैं। वर्ष के दौरान कृषि विपणन के क्षेत्र में 15 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

खरीदारों और विक्रेताओं की बैठक:

सीसीएस नियाम ने 14-15 फरवरी, 2020 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में निर्यातकों और किसान उत्पादक संगठन (खरीदारों) को सीधे व्यापार पर चर्चा करने के लिए एक ही स्थान पर मंच प्रदान करने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।



4. आउटरीच कार्यक्रम

कई कृषि विश्वविद्यालयों के छात्रों ने अपने अध्ययन दौर के तहत संस्थान का दौरा किया। यह युवा पेशेवरों को कृषि विपणन के अवसरों और चुनौतियों पर उन्मुख करने का एक अवसर था। इस यात्रा ने कई छात्रों को कृषि विपणन में अपना पेशा चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया। एक्सपोजर ने छात्रों को सीसीएस नियाम की विभिन्न कार्ययोजनाओं को समझने में भी मदद की। देश भर के कई कृषि विश्वविद्यालयों के विभिन्न कृषि छात्रों ने सीसीएस नियाम का दौरा किया।





5. महत्वपूर्ण आयोजनों का उत्सव

सीसीएस नियाम ने वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया:

- i **स्वतंत्रता दिवस:** 73वां स्वतंत्रता दिवस सीसीएस नियाम में मनाया गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री पी के स्वैन, संयुक्त सचिव, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई और उसके बाद महानिदेशक, नियाम द्वारा संबोधन किया गया। उन्होंने भारत को एक स्वतंत्र देश बनाने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी महान लोगों को याद किया।
- ii. 21 मई, 2019 को सीसीएस नियाम परिसर में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। नियाम के महानिदेशक और सभी स्टाफ सदस्यों ने आतंकवाद विरोधी शपथ ली।
- iii. सीसीएस नियाम ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य के महत्व के बारे में शिक्षित और जागरूक करने के लिए 21 जून 2019 को नियाम परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया।
- iv. हिंदी दिवस 2019 में 10 सितंबर से 24 सितंबर 2019 तक हिंदी पखवाड़ा के साथ सीसीएस नियाम में मनाया गया। संस्थान के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में हिंदी-राजभाषा के रूप में उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- v. राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) 31 अक्टूबर 2019 को संस्थान में मनाया गया, जिसमें महानिदेशक द्वारा संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों को शपथ दिलाई गई।
- vi. संस्थान में 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2019 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन और सभी कार्यों को ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से करने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान भ्रष्टाचार मुक्त सेवाओं पर संस्थान के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

वार्षिक प्रतिवेदन



स्वतंत्रता दिवस



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में



नियाम ने बड़ी का बास गांव में गांधी जयंती मनाई



वार्षिक प्रतिवेदन

6. स्थापना दिवस

सीसीएस नियाम का 31वां स्थापना दिवस 08 अगस्त, 2019 को सीसीएस नियाम परिसर में मनाया गया। उद्योग विशेषज्ञों द्वारा दो कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आरकेवीवाई टीम की ओर से ओएसिस ऑफ इनोवेशन नामक एक पुस्तक का भी उद्घाटन किया गया इसके बाद मी एंड माई प्लांट कार्यक्रम हुआ।



7. सीसीएस नियाम की “मैं और मेरा पौधा की पहल”

कृषि संस्थान में होने के कारण जलवायु परिवर्तन और आजीविका और मानव जाति पर इसके प्रभाव का संज्ञान लेना बहुत जरूरी है। इसलिए, सीसीएस नियाम ने “मी एंड माई प्लांट” की अवधारणा की कल्पना की जिसमें छात्र और पौधे परिसर में एक साथ बढ़ते हैं। प्रत्येक छात्र को परिसर में पौधा रोपण के लिए एक-एक पौधा प्रदान किया गया। छात्र का यह उत्तरदायित्व है कि वह स्वयं को पोषण करते हुए दो वर्ष तक पौधे का पोषण करे। जब वे कैम्पस छोड़ते हैं, तो वे एक पेड़ के रूप में कैम्पस में यादें छोड़ जाते हैं, जिसे उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर देखा जा सकता है। पीजीडीएम (एबीएम) के छात्रों ने 8 अगस्त, 2019 को पौधरोपण किया।



8. सचिव, डीएसी एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा पुस्तक का विमोचन।

सीसीएस नियाम ने 21 अगस्त 2019 को कृषि भवन, नई दिल्ली में कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान कृषि विपणन में वैश्विक अच्छे अभ्यास और किसानों को बाजार से जोड़ना: अवसर और चुनौतियां नामक दो पुस्तकें लॉन्च कीं। पुस्तकों का विमोचन श्री संजय अग्रवाल, आईएएस, सचिव डीएसी एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा किया गया। श्रीमती वसुधा मिश्रा, आईएएस, श्री प्रधान, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, श्री पी के स्वैन, संयुक्त सचिव (विपणन), श्री पी के गोयल, अपर सचिव। इस अवसर पर मुख्य सचिव, राजस्थान और महानिदेशक सीसीएस एनआईएम उपस्थित थे। दोनों पुस्तकें किसानों को बाजार से जोड़ने पर केंद्रित सीसीएस एनआईएम के युवा शोध प्रशिक्षुओं द्वारा किए गए क्षेत्र अनुसंधान पर आधारित थीं।



9. सीसीएस नियाम की शिक्षा पर स्थायी समिति की बैठक

सीसीएस नियाम की शिक्षा पर स्थायी समिति की चौथी बैठक 20 मई, 2019 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता सीसीएस नियाम के महानिदेशक ने की और डॉ. सनल कुमार वेलायुदान, प्रोफेसर आईआईएम कोझीकोड, डॉ. अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर एक्सआईएमबी भुवनेश्वर, डॉ. नलिनीप्रव त्रिपाठी, प्रोफेसर आईआईएम शिलांग और सीसीएस एनआईएम के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। महानिदेशक ने सीसीएस एनआईएम के विकास के लिए सभी सदस्यों की भागीदारी और प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त किया। सीसीएस एनआईएम के महानिदेशक ने 2018-19 के दौरान की गई गतिविधियों और 2019-20 के लिए प्रस्तावित शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत प्रस्तुति दी। सदस्यों ने सीसीएस एनआईएम में 2018-19 के दौरान कृषि ज्ञान गहन ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला, अनुसंधान इंटरनशिप कार्यक्रम, सुविधा विकास कार्यक्रम और पूर्वोत्तर राज्यों पर केंद्रित कार्यक्रम जैसे कई नवीन शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत की सराहना की।



10. पुस्तकालय

संस्थान में छात्रों और शिक्षाविदों की बौद्धिक गतिविधियों में पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ई-जर्नल, सीडी, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन, रिपोर्ट, न्यूजलेटर और पुस्तकों को संदर्भित करने की सुविधा के साथ-साथ प्रिंट और ऑडियो-विजुअल प्रारूपों में नवीनतम शोध और संदर्भ सामग्री प्रदान करता है।



यह संस्थान का तंत्रिका केंद्र और हृदय है, ज्ञान की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और व्यक्तिगत शोध के लिए मुख्य स्रोत प्रदान करता है। यह मुख्य रूप से प्रबंधन, कृषि और संबद्ध विषयों से संबंधित साहित्य के व्यापक संग्रह के साथ चौबीसों घंटे खुला रहता है। उपयोगकर्ताओं के प्रत्यक्ष ज्ञान को बढ़ाने के लिए डिजिटल सामग्री की उपलब्धता के साथ डिजिटल पुस्तकालय की अवधारणा को कार्यात्मक बनाने में संस्थान आगे बढ़ गया है। इस संस्थान के सभी पाठकों को इंटरनेट/इंट्रानेट वाई-फाई सिस्टम पर पुस्तकालय ई-संसाधन की सुविधा प्रदान की गई है। पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, प्रशिक्षुओं, किसानों और कृषि अधिकारियों को पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में सूचना संसाधनों को विकसित और बढ़ावा देना है। पुस्तकालय में अपने पाठकों के लिए अनुकूल वातावरण, अच्छा हवादार और विशाल वाचनालय है।

पुस्तकालय सेवाएं:

कृषिकोष सीसीएस नियाम: कृषि और संबद्ध विज्ञान में संचित ज्ञान का एक डिजिटल भंडार है, जिसमें पुरानी और मूल्यवान पुस्तकों, पुरानी पत्रिकाओं, थीसिस, शोध लेख, लोकप्रिय लेख, मोनोग्राफ, कैटलॉग, सम्मेलन की कार्यवाही, सफलता की कहानियां, केस स्टडी, वार्षिक का संग्रह है। अनुसंधान संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) के विभिन्न पुस्तकालयों में पूरे देश में फैले रिपोर्ट, न्यूजलेटर, पैम्फलेट और विभिन्न दस्तावेज।

इंडियास्टेट: सीसीएस नियाम लाइब्रेरी में इंडियास्टेट का डेटा स्रोत है, जो परामर्श, परियोजना और अन्य कार्यों से संबंधित डेटा एकत्र करने के लिए बहुत उपयोगी है, जहां कृषि और अन्य क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न सरकारी संगठनों से डेटा की आवश्यकता होती है।

ओपन एक्सेस जर्नल्स (डीओएजे) की निर्देशिका: एक समुदाय-क्यूरेटेड ऑनलाइन निर्देशिका है जो उच्च गुणवत्ता, खुली पहुंच, सहकर्मी-समीक्षा पत्रिकाओं को अनुक्रमित और एक्सेस प्रदान करती है। डीओएजे स्वतंत्र है। डीओएजे दुनिया भर में एक शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम संचालित करता है, जो प्रस्तुत किए गए आवेदनों की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।

सीसीएस नियाम कृषि विपणन समाचार ई-अलर्ट सेवाएं: पुस्तकालय संकाय और छात्रों के लाभ के लिए कृषि विपणन से संबंधित दैनिक ई-अलर्ट भी जारी कर रहा है। ये अलर्ट देश के भीतर और बाहर से रिपोर्ट किए गए क्षेत्र से दिन-प्रतिदिन के विकास पर आधारित हैं।

11. प्रकाशन (जर्नल, पुस्तकें, अध्याय, समाचार पत्र आदि)

वर्ष के दौरान सीसीएस नियाम के महत्वपूर्ण प्रकाशन इस प्रकार हैं:

1. चंद्रशेखर, पी और यादव, हेमा। (2019, अगस्त)। किसानों को ई-नाम से जोड़ना। कुरुक्षेत्र, 17-24।
2. पंत, सतीश चंद्र और कुमार सत्येंद्र एडी (2019)। जैविक खेती के लिए विपणन और ब्रांडिंग। कुरुक्षेत्र, सूचना और प्रसारण मंत्रालय की एक पत्रिका वॉल्यूम। 67(7).
3. हरिजियो, बेसि और सिंह, एस.आर. (2019)। आम और अन्य फसलों पर यांकी के बाजार के आकार का आकलन। बागवानी के इतिहास, 12 (2), 120-125।
4. कुमार, सत्येंद्र और पंत सतीश चंद्र। (2019)। राजस्थान में e-NAM का प्रदर्शन-एक केस स्टडी। सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, आईएसबीएन संख्या: 9788194325222
5. मित्तल, आर. (2019, नवंबर)। भविष्य में सफल भारतीय कृषि के लिए आवश्यक नवाचार। एग्रोस्पेक्ट्रम।



वार्षिक प्रतिवेदन

6. नाबी (2019, 05 नवंबर)। अर्धवार्षिक समाचार पत्र-नबी पत्रिका। खंड 1. जयपुर: सीसीएस नियाम।
7. नाबी (2019, 22 मई)। अर्धवार्षिक समाचार पत्र-नबी पत्रिका। खंड 2. जयपुर: सीसीएस नियाम।
8. नाबी (2019, 27 सितंबर)। स्टार्टअप का ओएसिस। जयपुर: सीसीएस नियाम।
9. नाबी (2019, 06 जून)। स्टार्टअप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम पर स्टडी मॉड्यूल। जयपुर: सीसीएस नियाम।
10. नाबी (2019, 08 अगस्त)। नवाचारों का नखलिस्तान। जयपुर: सीसीएस नियाम।
11. नाबी (2020, 04 मार्च)। कृषि-ट्रांसफॉर्मर का पोषण। जयपुर: सीसीएस नियाम।
12. पंत, सतीश चंद्र (2020)। कृषि में वैकल्पिक बाजार: अनुबंध खेती। टेक्नीकॉन। शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की एक तकनीकी अर्धवार्षिक पत्रिका, अंक संख्या 23
13. पंत सतीश चंद्र। (2019)। औषधीय पौधे के विपणन के लिए एक उपकरण के रूप में अनुबंध खेती IIAASD, जयपुर में ग्रामीण किसान के आर्थिक विकास के लिए औषधीय पौधों की खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही
14. सिंह, एस.आर. (2019, जून)। सुगन्धित तेलों की विपणन संभावनाएं-अवसर और आगे का रास्ता। एनल्स ऑफ हॉर्टिकल्चर, 12(1), 93-98.
15. सिंह, एस.आर. (2019) राष्ट्रीय कृषि बाजार की उपयोगिता एवं संभावनाएँ, विज्ञान प्रगति अंक, 2019 पृष्ठ 15 से 19 में प्रकाशित
16. सिंह, एस.आर और मित्तल, रमेश। (2019)। कृषि-ऊष्मायन केंद्र: कृषि उद्यमिता विकास का एक नया तरीका। एनल्स ऑफ हॉर्टिकल्चर, 12(2), 126-129.
17. सिंह, एस.आर. और मित्तल, रमेश। (2019)। तेलंगाना राज्य में एलोवेरा की खेती और विपणन रणनीति की संभावनाएं। एनल्स ऑफ हॉर्टिकल्चर, 12(2), 115-119.
18. उपाध्याय, ए. (2019, नवंबर)। उद्यमी अवसरों और चुनौतियों और विश्व अर्थव्यवस्था के विकास पर उनके प्रभाव का एक अध्ययन। थिंक इंडिया जर्नल द्वारा, 22(15)।
19. यादव, एच. (2019)। बिहार में कृषि विपणन पर्यावरण। बायोटेक प्रकाशन।
20. यादव, हेमा, पंत, सतीश चंद्र और रौनियार, ए.के. (2020, फरवरी)। जीएएमपी (अच्छी कृषि और विपणन प्रथाएं)।
21. यादव, एच., चंदेल, बी.एस. और भंडारी, जी. (2019)। डेयरी उत्पादों के प्रचार के लिए विपणन रणनीतियाँ।
22. यादव, हेमा और रौनियार, अजीत कुमार। (2020, जनवरी)। उन्नत दलहन उत्पादन, प्रौद्योगिकी, प्रसंस्करण और विपणन रणनीतियों के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि।
23. सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग, जयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक लिंकिंग फार्मर्स टू मार्केट: अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज में प्रकाशित सुश्री पूजा एम रानी और डॉ शुचि माथुर द्वारा किसान की आय-जागरूकता बढ़ाने के लिए भंडारण की कुंजी है अगस्त 2019।
24. किसान उत्पादक संगठन फॉर एग्रीकल्चर सस्टेनेबिलिटी: ए केस स्टडी ऑफ ए सक्सेस ऑफ महाशक्ति मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड। डॉ. शुचि माथुर द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग, हैदराबाद द्वारा आयोजित 33वें राष्ट्रीय कृषि विपणन सम्मेलन के संग्रह में प्रकाशित, दिनांक 7-8 नवंबर, 2019।

ए. ई-बुलेटिन: सीसीएस नियाम की आवाज

ई-बुलेटिन ई-प्लेटफॉर्म पर नियाम का एक समय और लागत प्रभावी आउटरीच टूल है जो अपने सभी हितधारकों अर्थात्

वार्षिक प्रतिवेदन



नीति निर्माताओं, प्रशासकों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों, व्यापारियों, विस्तार कार्यकर्ताओं, कृषि विपणन से संबंधित सभी मुद्दों पर संस्थागत भागीदारों को जोड़ने के लिए किसान अंततः लाभान्वित होता है। यह एक मासिक प्रकाशन है।

बी. फार्म टू फोर्क: सीसीएस नियाम के छात्रों की आवाज

फार्म टू फोर्क सीसीएस नियाम के संभावित छात्रों के लिए और कृषि आधारित और कृषि-उन्मुख कंपनियों के लिए एक मंच के रूप में पूरे वर्ष कृषि व्यवसाय शिक्षा और प्रबंधन के लिए सीसीएस एनआईएम केंद्र में आयोजित गतिविधियों का एक विचार है।

12. आधारभूत संरचना

नियाम परिसर में निम्नलिखित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं: -

1. ब्रह्मपुत्र भवन जहां सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों का कार्य किया जाता है। इसी भवन में पुस्तकालय और कंप्यूटर की सुविधाएं भी स्थित हैं।





वार्षिक प्रतिवेदन

2. सभागार, सम्मेलन कक्ष, 20 कमरे, डाइनिंग हॉल और लाउंज से युक्त गेस्ट हाउस से युक्त कन्वेंशन सेंटर।
3. 31 कमरों की सुविधा वाला बॉयज हॉस्टल और 48 कमरों की सुविधा वाला गर्ल्स हॉस्टल।
4. 4 सूट और महानिदेशक के निवास के साथ वीआईपी गेस्ट हाउस
5. टाइप -V क्वार्टर - 04
6. टाइप -IV क्वार्टर - 04
7. टाइप -III क्वार्टर - 07
8. टाइप -II क्वार्टर - 12
9. डिस्पेंसरी बिल्डिंग, बराक में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, जेनरेटर सेट और व्हीकल गैरेज के लिए सब-स्टेशन।
10. बिजली और पर्यावरण को बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र, गर्ल्स हॉस्टल और कन्वेंशन सेंटर में स्थापित 135 केवीए ग्रिड कनेक्टेड सोलर सिस्टम।
11. वाई-फाई परिसर
12. एटीएम सुविधा
13. प्रशासन और लेखा

वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं:

कार्यकारी परिषद की बैठक: भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में दिनांक 05.02.2020 को कार्यकारी परिषद की 47वीं बैठक प्रचालन द्वारा आयोजित की गई थी।

2019-20 के लेखा और लेखा परीक्षा: संस्थान एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरी तरह से कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान का विवरण नीचे दिया गया है: -

वर्ष	प्राप्ति निधि (लाखों में)
2014-15	507.00
2015-16	367.96
2016-17	700.00
2017-18	609.99
2018-19	958.37
2019-20	1415.33

पिछले वर्ष के घटक-वार अव्ययित शेष, वर्ष 2019-20 के अंत में प्राप्त अनुदान और अव्ययित शेष का विवरण नीचे दिया गया है:-

(रु. लाख में)

क्रमांक	विवरण	सामान्य	एससीएसपी	टीएसपी	कुल
1.	सहायता अनुदान (सामान्य) पिछले वर्ष अव्ययित	-	52.83	22.44	75.27
2.	सहायता अनुदान (सामान्य) प्राप्त हुआ	914.33	133.00	69.00	1,116.33

वार्षिक प्रतिवेदन

3.	सहायता अनुदान (सामान्य) उपयोग किया गया	834.00	19.43	16.38	869.81
4.	सहायता अनुदान (सामान्य) अव्ययित	80.33	166.40	75.06	321.79
5.	सहायता अनुदान (एनईएस) पिछले वर्ष अव्ययित	32.64	0.37	1.76	34.77
6.	सहायता अनुदान (एनईएस) प्राप्त हुआ	199.00	66.00	34.00	299.00
7.	सहायता अनुदान (एनईएस) का उपयोग किया गया	33.28	54.41	35.63	123.32
8.	सहायता अनुदान (एनईएस) अव्ययित	198.36	11.9	60.13	210.45
9.	उपलब्ध कुल सहायता अनुदान	1145.97	252.20	127.20	1525.37
10.	उपयोग की गई कुल सहायता अनुदान	867.28	73.84	52.019	93.13
11.	सहायता अनुदान अव्ययित	278.69	178.36	75.19	532.24

वर्ष 2019-20 के दौरान सहायता अनुदान के रूप में 1415.33 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। प्रमुख शीर्ष 2435 एससीएसपी और टीएसपी और प्रमुख शीर्ष 2552 (एनईएस) उप घटक जनरल, एससीएसपी और टीएसपी के तहत पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 से अव्ययित शेष के रूप में 110.04 लाख को आगे बढ़ाया गया।

दिनांक 31.03.2020 को नियाम को सहायता अनुदान की अव्ययित शेष राशि रु. 532.24 लाख (सामान्य रुपये 80.33 लाख एनईएस एससीएसपी के अलावा 166.40 लाख, टीएसपी 75.06 लाख और एनईएस (सामान्य रुपये 198.36, टीएसपी 0.13 लाख और एससीएसपी 11.96 लाख)

व्यय की पूर्ति परिसर की स्थापना, प्रशासन, रख-रखाव तथा प्रशिक्षणों के संचालन तथा (आईएसएम) के अंतर्गत निर्दिष्ट अन्य उद्देश्यों के लिए सहायता अनुदान से की गई थी।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान के अलावा, राज्य सरकार, विपणन बोर्डों और अन्य संगठनों से भुगतान प्रशिक्षण परामर्श और परियोजनाएं ली जाती हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान परियोजनाओं/परामर्श और प्रशिक्षण/सेमिनार से प्राप्तियां 79 लाख रुपये थीं और इसके खिलाफ व्यय 62 लाख रुपये था।

- परियोजनाओं/परामर्श और प्रशिक्षण/सेमिनार से प्राप्तियां वर्ष 2019-20 के दौरान 83.63 लाख रु. और उसके लिए व्यय 111.23 लाख रु.
- पीजीडीएम एबीएम के 119 छात्रों (59, प्रथम वर्ष के छात्र और 60, द्वितीय वर्ष के छात्र) से शुल्क संग्रह 402 लाख रुपये था। पीजीडीएम एबीएम कार्यक्रम के संचालन का सारा खर्च फीस में से पूरा किया गया। कुल खर्च रु. 215 लाख और पीजीडीएम एबीएम द्वारा उत्पन्न कुल 187 लाख रु. राजस्व वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान।
- वर्ष 2019-20 के लिए मैनेज से अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम प्राप्तियां रु. 7.36 लाख और संबंधित व्यय 1.01 लाख रु. दिनांक 31.03.2020 तक
- आरकेवीवाई-रफ्तार परियोजना सहायता अनुदान प्राप्तियां 151.96 लाख रु. और व्यय 151.96 लाख रुपये दिनांक 31.03.2020 तक।
- एएमआई योजना के तहत रु. वर्ष 2019-20 के दौरान 52 एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एएमआई से 18.60 लाख प्राप्त हुए, जिसमें से रु 15.51 लाख रु. का उपयोग किया जा चुका है और शेष 2020-21 के दौरान 3.09 लाख रु. का उपयोग किया जाना था



वार्षिक प्रतिवेदन

दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार कोष निधि की शेष राशि 2030.29 लाख रु. थी जो वर्ष 2019-20 के लिए लेखा पुस्तकों के अनुसार सहायता अनुदान के अलावा अन्य प्राप्तियों से जमा हुई है। संस्थान नियंत्रक महालेखाकार के कार्यालय द्वारा परिचालित निर्धारित प्रारूप में खातों का रखरखाव कर रहा है।

कार्यकारी समिति ने मैसर्स जे. सिंह एंड एसोसिएट्स को वर्ष 2019-20 के लिए लेखा परीक्षक के रूप में मंजूरी दे दी है। मैसर्स जे. सिंह एंड एसोसिएट्स को वर्ष 2019-20 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा और खातों का सत्यापन करने के लिए दूसरे वर्ष के लिए अनुमोदित किया गया है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ वार्षिक खाते पहले ही प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), शाखा कार्यालय, जयपुर को भेजे जा चुके हैं।

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (मध्य), शाखा कार्यालय जयपुर ने अवगत कराया है कि वर्ष 2019-20 के लिए अनुपालन और वित्तीय लेखा परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकती क्योंकि इसे 2020-21 की वार्षिक लेखा परीक्षा योजना में शामिल नहीं किया गया है। वर्ष 2019-20 के लिए सीसीएस एनआईएम की लेखा परीक्षा बाद में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय), शाखा कार्यालय जयपुर के कार्यालय द्वारा की जाएगी।

2018-19 तक की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के साथ वार्षिक लेखे पहले ही संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जा चुके हैं।

वित्तीय समीक्षा:

नियाम योजना के तहत प्राप्त कुल सहायता अनुदान वर्ष 2019-20 के लिए बीई/आरई के अनुसार 1415.33 लाख रुपये था और 993.13 रुपये का उपयोग किया गया था। 532.24 लाख रु. सामान्य के अलावा अन्य के अंतर्गत सहायता अनुदान के अव्ययित शेष के रूप में रहे। 80.33 लाख रु. एनईएस एससीएसपी 166.40 लाख, टीएसपी रु. 75.06 लाख और एनईएस (सामान्य रुपये 198.36 लाख, टीएसपी 0.13 लाख रुपये और एससीएसपी 11.96 लाख रुपये)। वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान की वित्तीय स्थिति इस प्रकार है: -

(रु. लाख में)

लेखा शीर्ष	बजट अनुमान	वास्तविक
राजस्व व्यय	1719.00	1392.28*
पूंजीगत व्यय	-	0.73
कुल व्यय	1719.00	1393.01
राजस्व प्राप्ति	877.00	637.60
अन्य रसीद	-	19.40
सहायता अनुदान-रसीद	1719.00	1415.33
कॉर्पस फंड में ट्रांसफर	83.50	83.50

*वास्तविक व्यय का विवरण इस प्रकार है

1. नियाम के कर्मचारियों का वेतन	-	347.37
2. प्रशिक्षण और संगोष्ठी व्यय	-	271.52
3. पीजीडीएबीएम	-	214.96
5. प्रशासनिक व्यय।	-	374.63
6. अन्य कार्यक्रम व्यय	-	183.80
कुल	-	1392.28 लाख



अनुलग्नक



Annexure – 1

ANNUAL ACCOUNTS AND AUDITED FOR CCS NIAM FOR THE YEAR 2019-20



J. SINGH & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

380, Gayatri Nagar 'A', Maharani Farm

Durgapura, Jaipur, Rajasthan -302018

Mobile: 9887650046 Email: shalinijain03@gmail.com

To,

The Member of ch. Charan Singh National Institute of agricultural Marketing
Jaipur – 302033

We have audited the attachment Balance Sheet of Ch. Charan Singh National Institute of agricultural Marketing Jaipur as at 31st March, 2020 and also the annexed Income and Expenditure Account and Receipt & Payments Account for the year ended on that day and report that:

We have obtained all the information and explanations, which to the best of our Knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit. The institute has maintained proper books of account and the Balance Sheet and Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with in this report are in agreement with them.

These financial statements are the responsibility of the Institute management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examine, on the basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

In our opinion and to the best of our knowledge and belief, the accounts give a true and fair view read along with Notes on accounts.

- In the case of Balance sheet of state of affairs as at 31st March, 2020
- In the case of income and Expenditure account of Excess of Income over Expenditure of the Institute for the year ended on 31st March, 2020 and
- In the case of Receipt & Payment Account, of the receipt and payment of the institute for the year ended on 31st March, 2020.

As per our report even dated attached
For J. Singh & Associates
FRN – 110266W
Chartered Accountants


(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 27.07.2020

UDIN : 20406364AAAAW8007

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

BALANCE SHEET AS AT 31st March 2020

CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	Schedule	(Amount - Rs)	
		Current Year	Previous Year
CORPUS / CAPITAL FUND	1	315276474.84	281918706.65
RESERVES AND SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS	3	337143236.46	256429649.10
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	45419624.93	44859580.42
TOTAL		697839336.23	583007936.17
ASSETS			
FIXED ASSETS			
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	8	324502494.35	284826021.35
INVESTMENT-OTHERS	9	17657679.00	18176287.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	10	0.00	0.00
MISCELLANEOUS EXPENDITURE	11	355679162.88	280005627.82
(to the extent not written off or adjusted)			
TOTAL		697839336.23	583007936.17
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

(Shafiqi Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 27.07.2020

(Signature)
A.O.
NIAM, Jaipur

(Signature)
Director General,
NIAM, Jaipur

(Signature)
जी.पी.एस. निरान, जयपुर

Dr. P. Chandra Shekara
Director General
C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033



वार्षिक प्रतिवेदन

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS) C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

- Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2020

	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales / Services	12	19106442.00	19643057.00
Grants / Subsidies	13	99272530.64	94474547.33
Fees / Subscriptions	14	44654308.00	48036097.00
Income from Investments (Income on Invest. From earmarked/Room Rents)	15	258819.00	986450.00
Income from Royalty, Publication etc.	16	0.00	0.00
Interest Earned	17	1645893.00	3704919.00
Other Income	18	35428.00	695264.00
Increase/(decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19	0.00	0.00
TOTAL (A)		164973420.64	167540334.33
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	34737084.00	38424898.00
Other Administrative Expenses etc.	21	104493356.45	74527998.16
Expenditure on Grants, Subsidies of RGS	22	0.00	0.00
Interest	23	0.00	0.00
Prior Adjustment		0.00	0.00
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule 8)		0.00	0.00
TOTAL (B)		139230440.45	112952894.16
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		25742980.19	54587440.17
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		25742980.19	54587440.17
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES			
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS			
24			
25			

As per our report even dated attached

For J. Singh & Associates

FRN - 110266W

Chartered Accountants

[Signature]

(Shalini Jain)

Partner

M. No. 406364

Place: Jaipur

Date: 27.07.2020

[Signature]
A.O.
NIAM, Jaipur - 80

लेखाधिकारी

श्री. सी. एस. न्याय, जयपुर

[Signature]
Director General,
NIAM, Jaipur

Dr. P. Chandra Shekara
Director General

C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2020

	Current Year	Previous Year	(Amount - Rs.)
SCHEDULE 1 - CORPUS / CAPITAL FUND:			
Balance as at the beginning of the year	87240340.65	64414425.81	
less: Contributions towards Corpus/Capital Fund	0.00	29338554.00	
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	25742980.19	54587440.17	
less: adjustment in capital fund	735552.00	2422971.33	
Closing Balance at the year end	112247768.84	87240340.65	
Corpus Fund	203028706.00	194678366.00	
BALANCE AS AT THE YEAR - END	315276474.84	281918706.65	

	Current Year	Previous Year	
SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS:			
1. Capital Reserve:			
As per last Account	0.00	0.00	
Addition during the year	0.00	0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00
2. Revaluation Reserve:			
As per last Account	0.00	0.00	
Addition during the year	0.00	0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00
3. Special Reserves:			
As per last Account	0.00	0.00	
Addition during the year	0.00	0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00
4. General Reserve:			
As per last Account	0.00	0.00	
Addition during the year	0.00	0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00
TOTAL	0.00	0.00	0.00



[Signature]
A.O. Jaipur 80
21/03/20

नेपालिका
सी.सी.एन. निवास, जयपुर

[Signature]
Director General,
NIAM, Jaipur
Dr. P. Chandra Shekara
Director General
C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An Organisation of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
"C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kotla Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2020

SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1 ACCOUNTING CONVENTION

1.1

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting including for the interest received on F. D. R & interest on advance to employees.

2 INVENTORY VALUATION

2.1 Consumable stores are valued at cost and are as confirmed by management.

3 INVESTMENT

3.1 A sum of Rs. 15,64,759 Invested in LIC during the year for Gratuity.

4 LAND & BUILDING TAX AND EXCISE DUTY

4.1 The Government of Rajasthan have abolished land and building tax.

4.2 Excise duty is not applicable.

5 FIXED ASSETS

5.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition. In respect of projects involving construction, related pre-operational expenses (including interest on loans for specific project prior to its completion), form part of value of the assets capitalized.

5.2 Fixed Assets received by way of non-monetary grants, are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.

5.3 The fixed assets have not been revalued during the year.

5.4 Assets which have become unserviceable or obsolete are also shown in fixed assets till the permission to write off/dispose off received from Govt. of India.

6 DEPRECIATION

6.1 Fixed Assets are stated at cost and dep. on Fixed Assets has not been provided, since fixed assets have been created out of grant.

Contd.....

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2020

SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

7 MISCELLANEOUS EXPENDITURE & PRIOR ADJUSTMENT

7.1 Prior adjustment as suggested.

8 ACCOUNTING FOR SALES

8.1 This is service rendering Institute & there is no sales.

9 GOVERNMENT GRANTS / SUBSIDIES

9.1 Grant-in-aid from Government of India has been received towards administration and other expenses of the Institute. The institute has taken only that portion of grant to Income & Expenditure account to equalize with administrative expenses incurred during the year. The remaining part has been carried over directly to Balance Sheet.

9.2 Government grants / subsidy are accounted on realization basis.

10 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

10 No foreign currency transactions during the year.

11 LEASE

11.1 No Lease rentals are there.

12 RETIREMENT BENEFITS

12.1 Provision for gratuity has been made as per Govt. of India's approval and payment of gratuity act on the date of balance sheet.

12.2 Provision for leave salary has also been made on the basis of 60 % leave balances of the employees.

As per our report even dated attached

For J.Singh & Associates

FRN - 110266W

Chartered Accountants

Shalini Jain
(Shalini Jain)
Partner

M. No. 406364

Place: Jaipur

Date: 27.07.2020

Dr. P. Chandra Shekara
NIAM, Jaipur, 20
लेखाधिकारी

Director General
NIAM, Jaipur

Dr. P. Chandra Shekara
Director General

C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2020

SCHEDULE 25 - CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1 CONTINGENT LIABILITIES

- 1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).
- 1.2 In respect of:
- Bank guarantees given by / on behalf of the Entity - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
 - Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Entity - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
 - Bills discounted with banks Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
- 1.3 Disputed demands in respect of:
- Income tax Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
 - Sales tax Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
 - Municipal Taxes NIL (Previous year Rs. NIL)
- 1.4 In respect of claims from parties for non execution of orders, but contested by the Entity - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

2 CAPITAL COMMITMENTS

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

3 LEASE OBLIGATIONS

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

4 FIXED ASSETS

Fixed assets the purchased cost of which is of Rs.4856157.00 are unserviceable or obsolete. The depreciated value can not be determined because stock register has not been properly maintained and the depreciation has not been claimed.

5 CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet

6 TAXATION

In view of there being no taxable income under Income tax Act. 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.

Contd.....

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2020

SCHEDULE 25.- CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

7 FOREIGN TRAVEL

During the year deputy director smt Hema Yadav made an expenditure on foreign travel of Rs. 5,45,000/-

		(Amount - Rs.)	
		Current Year	Previous Year
8 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS			
8.1	Value of Imports Calculated on C.I.F. Basis:		
-	Purchase of finished Goods	NIL	NIL
-	Raw Materials & Components (Including in transit)	NIL	NIL
-	Capital Goods	NIL	NIL
-	Stores, Spares and Consumables	NIL	NIL
8.2	Expenditure in foreign currency:		
a)	Travel	NIL	NIL
b)	Remittances and Interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign C	NIL	NIL
c)	Other expenditure:	NIL	NIL
-	Commission on Sales	NIL	NIL
-	Legal and Professional Expenses	NIL	NIL
-	Membership Fee	NIL	NIL
8.3	Earnings:		
	Value of Exports on FOB Basis	NIL	NIL
	International Programme Fees(Received in INR)	NIL	NIL

Contd.



8.4 Remuneration to auditors:

As Auditors	
- Taxation matters	NIL
- For Management services	NIL
- For certification	NIL
8.5 Others	NIL

9 Corresponding figures for the previous year have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

10 Schedules 1 to 25 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31/03/2020 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates

FRN - 110266W

Chartered Accountants

Shalini Jain

(Shalini Jain)

Partner

M. No. 406364

Place: Jaipur

Date: 27.07.2020

A. Singh
A. Singh
NIAM, Jaipur
27.7.20

लेखाधिकारी

एन.एस. निराम, जयपुर
C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

Director General
Director General
NIAM, Jaipur

Director General

वार्षिक प्रतिवेदन



FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

CONSOLIDATED RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st March 2020

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
I) Opening Balance					
a) Cash in Hand	0.00	0.00	i) Expenses		
b) Bank Balance			a) Establishment Expenses	318,42,881.00	337,19,435.00
i) In current/savings A/c	1489,31,657.44	418,82,281.78	b) Other administrative & Inst. Maint. Expenses	620,41,289.84	552,22,220.24
ii) In deposit A/c	472,92,787.00	1602,68,110.00	c) Tq. PIF & Con. etc. exps		
iii) In E-Bank A/c	10,000.00	10,000.00	Tq. PIF & Con. etc. exps(NIAM)	183,67,632.00	88,23,984.00
ii) In E-Bank A/c			Tq. PIF & Con. etc. exps(MKT. NIFRA)	0.00	0.00
II) Grant Received			Tq. PIF & Con. etc. exps(RGS)	0.00	0.00
a) From Govt. of India			Tq. PIF & Con. etc. exps(FCRA)	-	0.00
i) NIAM	1524,73,000.00	858,37,000.00	Tq. PIF & Con. etc. exps(PGO&BM)	0.00	0.00
ii) MIS	0.00	0.00	III) Payment made against fund		
iii) CSS (RGS)	0.00	0.00	Advance for Training programmes (NIAM)	239,23,148.00	223,18,249.00
iv) NAMA	0.00	0.00	Advance for Training programmes (RGS)	0.00	0.00
v) MIDH	0.00	0.00	Advance for Training programmes (MKT. NIFRA)	0.00	0.00
Transfer	0.00	0.00	Advance for Training programmes (FCRA)	0.00	0.00
III) Income on Investment			III) Investment and deposit made		
a) Earmarked/Endow. Funds			a) Out of Earmarked/Endowment fund (Gratuity)	21,278.00	50,22,439.00
b) Own Fund	1827,68,722.00	0.00	b) Out of own fund	0.00	0.00
IV) Interest Received			IV) Expenditure on Fixed Assets & CWIP		
a) On Bank Deposit	128,29,022.00	84,24,352.00	a) Purchase of Fixed Assets	12,38,428.00	8,89,983.00
b) Loan, Advances (Employees) etc.	0.00	0.00	b) Expenditure on CWIP	272,86,755.00	0.00
V) Other Income			VI) Refund of surplus money/Losses		
a) Fees for Service	76,81,511.00	258,13,842.00	a) To the Govt. of India	0.00	0.00
b) Fees for PGO&BM & FCRA	380,07,495.00	344,87,672.00	b) To the State Govt.	0.00	0.00
c) Misc. income	20,99,589.00	0.00	c) To other provider of Funds/EIMD	0.00	0.00
VI) Amount Borrowed			d) Caution Money	10,000.00	2,85,000.00
a) Security / EMD Recd	0.00	0.00	e) Inter Transfer & Others	1700,83,141.00	249,11,979.00
b) Advance received/Uncovered/inter transfer	11,28,536.00	5,10,000.00	VII) Finance Charge(interest)		
c) Sale of vehicle	539,14,268.70	56,69,038.84	Other Advances	598,78,663.00	219,35,520.00
d) Employee advance	0.00	0.00	Advance to Employees	48,68,786.00	37,93,702.00
e) Others (Misc. Recoveries)	23,70,597.00	0.00	TDS	78,27,860.53	38,07,895.00
f) Gratuity	550,90,386.81	286,05,362.63	O.S. Liabilities/others	97,11,781.00	101,52,866.55
g) Closing Balance	20,83,367.00	0.00	Security Deposit	2,29,280.00	4,50,000.00
h) Bank balance			VIII) Closing Balance		
i) In current/savings A/c			a) Cash in Hand	0.00	0.00
j) In deposit A/c			b) Bank balance		
k) In E-Bank A/c			i) In current/savings A/c	-59,20,175.48	1489,26,657.44
Total	7166,80,938.05	4025,07,637.23	j) In deposit A/c	3056,50,000.00	622,92,787.00
			k) In E-Bank A/c	10,222.36	10,000.00
			Total	7166,80,938.05	4025,02,637.23

As per our report even dated attached

For J.Singh & Associates

FRN - 110266W

Chartered Accountants

(Shalini Jain)

Partner

M. No. 406364

Place: Jaipur

Date: 27.07.2020

[Signature]
Accounts Officer
NIAM, Jaipur
27.7.20

[Signature]
Director General
NIAM, Jaipur
Dr. P. Chandra Shekara
Director General

C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganeer, Jaipur-302033



वार्षिक प्रतिवेदन

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD YEAR ENDED 31st March 2020

RECEIPTS	FCRA 1	PGDABM 2	CORPUS FUND 3	MIS 4	RGS 5	NIAM 6	Current Year	Previous Year
I. Opening Balance								
a) Cash in Hand							0.00	0.00
b) Bank Balance								
i) In current/ Savings A/c	6,72,431.89	13,26,06,853.53	5,000.00	13,012.09	10,05,873.88	146,28,486.05	14,80,31,657.44	418,82,261.76
ii) In deposit A/c	110,42,787.00	241,50,000.00	0.00	0.00	4,00,000.00	117,00,000.00	472,92,787.00	16,02,68,110.00
iii) In E-Bank A/c	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10,000.00	10,000.00	10,000.00
II. Grant Received								
a) From Govt. of India								
i) NIAM						15,24,73,000.00	15,24,73,000.00	9,58,37,000.00
ii) MIS						0.00	0.00	0.00
iii) RGS						0.00	0.00	0.00
iv) NAMA						0.00	0.00	0.00
v) MIDH						0.00	0.00	0.00
III. Income on Investment								
a) Earnmarked/Endow. Funds								
b) Own Fund			19,27,68,722.00				19,27,68,722.00	0.00
IV. Interest Received								
a) On Bank Deposit	42,838.00	11,04,716.00	102,54,984.00		22,305.00	14,04,179.00	12,89,29,022.00	94,24,352.00
b) Loan, Advances(Employees) etc.							0.00	0.00
V. Other Income								
a) Fees for service/ Scholarship						76,81,511.00	76,81,511.00	2,58,13,842.00
b) Fees from PGDABM & FCRA		3,80,07,495.00					3,80,07,495.00	3,44,87,672.00
c) Misc. income	13,16,292.00	7,83,298.00			0.00		20,99,588.00	0.00
VI. Amount Borrowed								
VII. Any Other Receipt								
a) Security / EMD Rece.		6,10,000.00				5,18,536.00	11,28,536.00	5,10,000.00
b) Advance received/recovered/inter transfer		18,61,724.70				5,20,52,544.00	5,38,14,268.70	56,66,036.84
c) Sale of vehicle								
d) Employee advance		3,50,509.00				20,20,088.00	23,70,587.00	0.00
e) Others (Misc Recoveries)						5,50,90,386.91	5,50,90,386.91	2,96,05,362.63
f) Gratuity						20,83,387.00	20,83,387.00	0.00
Total	1,30,74,348.89	1,99,74,594.23	2,03,28,708.00	13,012.09	14,28,178.88	2,99,62,097.96	7,16,60,938.05	40,25,07,637.23

Accounting Officer
NIAM, Jaipur

27.7.20

Director General

Dr. P. Chandra Shekara

Director General

C.S.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD YEAR ENDED 31st March 2020

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD YEAR ENDED 31st March 2020								
PAYMENTS	FCRA	PGDABM	CORPUS FUND	MIS	RGSS	NIAM	Current Year	Previous Year
	1	2	3	4	5	6		
I) Expenses								
a) Establishment Expenses								
b) Other Administrative & Instt. Maint. Exp.	118.00	216,90,421.00		354.00	118.00	316,42,861.00	316,42,861.00	337,19,435.00
c) Training PFI & Con. Etc. exp. (NIAM)	0.00					403,50,278.64	620,41,289.64	552,22,220.24
e) Training PFI & Con. Etc. exp. (MIS)						183,67,632.00	183,67,632.00	88,23,984.00
f) Training PFI & Con. Etc. exp. (RGSS)							0.00	0.00
g) Training PFI & Con. Etc. exp. (FCRA)	0.00						0.00	0.00
h) Training & Education Program (PGDABM)							0.00	0.00
II) Payment made against fund								
for various project								
Advance for Training programmes (RGSS)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (MIS)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (FCRA)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (NIAM)							0.00	0.00
III) Investment and deposit made						239,23,145.00	239,23,145.00	223,18,259.00
a) Out of Endowment fund (Grakuly)							0.00	0
b) Out of own fund						21,276.00	21,276.00	50,22,439.00
IV) Expenditure on Fixed Assets & CWIP						-		
a) Purchase of Fixed Assets		11,65,682.00				72,744.00	12,38,426.00	8,69,993.00
b) Expenditure on CWIP CPWD						272,96,755.00	272,96,755.00	0.00
V) Refund of surplus money/Loans							0.00	0.00
a) To the Govt of India							0.00	0.00
b) To the State Govt.							0.00	0.00
c) To other provider of Funds(EMD)							0.00	0.00
d) Caution money							0.00	0.00
e) Inter Transfer & Others	116,64,754.00	1619,83,545.00	0.00			35,65,158.00	1700,83,141.00	249,11,973.00
VI) Finance Charge(Interest)							0.00	0.00
other payments								5,000.00
e) other advances (CPWD)		76,40,593.00				520,38,070.00	596,78,663.00	219,35,520.00
a) O.S. Liabilities / Others						97,11,787.00	97,11,787.00	101,52,966.55
b) Advance to Employees		6,49,854.00				42,18,932.00	48,66,786.00	37,53,702.00
c) TDS / SST	1,829.00	12,89,546.54	10,25,499.00			55,10,995.99	78,27,860.53	38,07,695.00
d) Security Deposit						2,29,268.00	2,29,268.00	450000.00
VIII) Closing Balance								
a) Cash in Hand							0.00	0.00
b) Bank balance								
i) In current/Savings A/c	10,07,647.89	2,94,952.69	27,03,207.00	12,658.09	10,28,060.88	109,68,702.03	-59,20,175.48	1489,28,657.44
ii) In Time deposit A/c	4,00,000.00	47,50,000.00	1983,00,000.00	0.00	4,00,000.00	108,00,000.00	3056,50,000.00	622,92,787.00
iii) In E-Bank A/c		0.00				10,222.36	10,222.36	10,000.00
Total	130,74,348.89	1994,74,594.23	2030,28,706.00	13,012.09	14,28,178.88	2996,62,097.96	7166,80,938.05	4025,07,637.23

Accounts Officer
NIAM, Jaipur
27.7.20

Director General
NIAM, Jaipur

Dr. P. Chandra Sekhara
Director General
C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture &
Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302035

सीसीएस नियाम का शैक्षणिक कैलेंडर वर्ष 2019-20

1. सीसीएस नियाम सेंटर फॉर पॉलिसी रिफॉर्म्स एंड प्रोग्राम्स



वार्षिक प्रतिवेदन

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	13.8.19	TIFAC के सहयोग से वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व नीति निर्माण पर कार्यशाला		सियाम, जयपुर	1 दिन	25	5	—	—	—	30	राजस्थान	30
2.	9-11.9.19	लेमन ग्रास के लिए मूल्यवर्धन और मार्केटिंग लिंकेज		बेक टू विलेज, मयूरभंज	3 दिन	25	5	—	30	—	—	ओडिशा	30
3.		साल लीफ के लिए मूल्यवर्धन और मार्केटिंग लिंकेज		बेक टू विलेज, मयूरभंज	3 दिन	6	34	6	34	—	—	ओडिशा	40

वार्षिक प्रतिवेदन

4.	17- 19.10.19	अदरक का मूल्यवर्धन और विपणन		बेक टू विलेज, कोरापुट	3 दिन	23	7	—	—	30	—	—	—	ओडिशा	30
5.	21- 23.10.19	अदरक का मूल्यवर्धन और विपणन		बेक टू विलेज, कोरापुट	3 दिन	—	—	—	—	—	—	—	—	ओडिशा	30
6.	19.11.19	कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान—10 डेटा संप्रभुता: कृषि में प्रासंगिकता	डॉ एस सी पंत	सीसीएस नियाम	1 दिन	80	20	—	—	—	100	—	—	राजस्थान	100
7.	19.11.19	कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान X कृषि विकास में डिजिटल प्रौद्योगिकी: 2022 तक किसान की आय को दोगुना करने की रणनीति	डॉ एस सी पंत	सीसीएस नियाम	1 दिन	80	20	—	—	—	—	—	—	राजस्थान	100
8.	28.11.19 से 1.12.19	सविदा खेती और किसानों का बाजार से जुड़ाव		कोलकाता	4 दिन	36	3	6	5	0	28	—	—	पं. बंगाल	39



वार्षिक प्रतिवेदन

9.	3- 5.12.19	पामारोसा घास का मूल्यवर्धन और विपणन		बेक टू विलेज, मयूरभंज	3 दिन	20	5	—	25	—	—	ओडिशा	25
10.	18- 19.2.20	कृषि अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. सतीश पंत	गुवाहाटी	2 दिन	19	0	—	—	—	19	आसाम	19

1. सीसीएस एनआईएम सेंटर फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	13-15.5.19	लघु व्यवसाय और ग्रामीण उद्यमिता	डॉ. रमेश मित्तल	आईसी एम, जयपुर	3 दिन	27	3	—	—	17	13	राजस्थान	30
2.	19.6.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	इम्फाल	1 दिन	37	6	—	—	—	43	मणिपुर	43
3.	21.6.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	मोरेह	1 दिन	30	5	—	35	—	—	मणिपुर	35
4.	24.6.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	बोको	1 दिन	39	4	—	—	—	43	आसाम	43

5.	25.6.19	रबड़ उत्पादक के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	उदाल गिरी	1 दिन	32	—	—	—	32	—	—	आसाम	32
6.	26.6.19	रबड़ उत्पादक के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	नोधपो	1 दिन	18	10	—	28	—	—	—	मेघालय	28
7.	24— 26.7.19	रिटेल मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स	डॉ. रमेश मित्तल	आईसी एम, जयपुर	3दिन	39	4	—	—	—	43	—	आसाम	43
8.	26— 28.8.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता	डॉ. रमेश मित्तल	लखीम पुर	3दिन	15	11	5	21	—	—	—	आसाम	26
9.	29— 31.8.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	बरपेटा	3दिन	—	25	23	2	—	—	—	आसाम	25
10.	1—3.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	डिब्रूगढ़	3दिन	—	25	6	19	—	—	—	आसाम	25

11.	4- 6.9.19	कृषि व्यवसाय में प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	गुवाहाटी	3 दिन	25	—	—	25	—	—	—	आसाम	25
12.	7- 9.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	कामरूप	3 दिन	15	10	25	—	—	—	—	आसाम	25
13.	13- 15.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	आइजोल	3 दिन	12	13	—	25	—	—	—	मिजोरम	25
14.	16- 18.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	कोलासिब	3 दिन	16	9	—	25	—	—	—	मिजोरम	25
15.	18- 20.9.19	कृषि वस्तुओं के लिए मूल्य श्रृंखला विश्लेषण		ईईआई, जोरहाट	3 दिन	25	8	1	5	20	8	—	मिजोरम	34
16.	19- 21.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	सेरछिप	3 दिन	7	18	—	25	—	—	—	मिजोरम	25

17.	22-24.9.19	कृषि-व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	सैकामाखन	3 दिन	12	13	—	25	—	—	—	मिजोरम	25
18.	25-27.9.19	कृषि व्यवसाय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	दावरपुरई	3 दिन	13	12	—	25	—	—	—	मिजोरम	25
19.	26-28.9.19	बागवानी फसलों का विपणन और मूल्य शृंखला विकास	डॉ. रमेश मित्तल	सिकुन, असम लिंगजी	3 दिन	15	13	2	14	9	3	—	सिक्किम	28
20.	19.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए द्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	तुली	1 दिन	25	0	0	25	0	0	0	नागालैंड	25
21.	20.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए द्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	लोकैम	1 दिन	25	0	0	25	0	0	0	नागालैंड	25
22.	22.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	सीडोसा	1 दिन	31	0	0	31	0	0	0	अरुणाचल प्रदेश	31

23.	23.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	जेरीमा	1 दिन	27	0	0	0	0	0	0	27	अरुणाचल प्रदेश	27
24.	25.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	पाहम मौलीन	1 दिन	0	18	0	0	0	0	0	18	मेघालय	18
25.	27.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	उदयपुर	1 दिन	0	25	0	0	0	0	0	25	मेघालय	25
26.	28.11.19	रबड़ उत्पादकों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	बिश्रमगं ज	1 दिन	26	0	0	0	0	0	0	26	त्रिपुरा	26
27.	20-22.01.20	बागवानी फसलों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विकास	डॉ. रमेश मित्तल	बागवान निदेशा लय शिलांग, मेघालय	3 दिन	22	-	-	22	-	-	-	-	मेघालय	22

सीसीएस नियम द्वारा आरकेवीवाई-रफ्तार कार्यक्रम के तहत की गई शैक्षणिक गतिविधियां वर्ष 2019-20

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	29.3.19 से 28.5.19	कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	सीसीएस नियम, जयपुर	2 महीने	15	2	1	—	6	10	राजस्थान	17
2.	30.4.19	पार्टनर राबी के लिए वेबिनार	टीम नाबी	सीसीएस नियम, जयपुर	1 दिन	12	2	—	—	—	14	राजस्थान	14
3.	28.5.19	कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम	टीम नाबी	सीसीएस नियम, जयपुर	1 दिन	15	2	—	1	1	15	राजस्थान	17
4.	6.6.19 से 5.8.19	स्टार्टअप कृषि व्यवसाय ऊष्मायन कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	सीसीएस नियम, जयपुर	2 महीने	17	3	1	—	3	16	राजस्थान	17
5.	25.6.19	पार्टनर राबी के लिए वेबिनार	टीम नाबी	सीसीएस नियम, जयपुर	11 से 1 बजे तक	13	2	—	—	—	15	राजस्थान	15

6.	22.7.19	राबी के लिए एक दिवसीय कार्यशाला	टीम नाबी	सीसीएस नियाम, जयपुर	1 दिन	6	—	—	—	—	—	—	6	राजस्थान	6
7.	22.7.19	अभिविन्यास कार्यशाला कृषि उद्यमिता	डॉ. रमेश मित्तल	सीसीएस नियाम, जयपुर	1 दिन	18	1	—	—	—	—	—	19	राजस्थान	19
8.	6.8.19	निवेशकों से मिलें	टीम नाबी	सीसीएस नियाम	1 दिन	31	4	1	—	—	3	31	35	राजस्थान	35
9.	7.8.19	स्टार्टअप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम	टीम नाबी	सीसीएस नियाम, जयपुर	1 दिन	16	4	—	—	—	—	20	20	राजस्थान	20
10.	26.8.19	पार्टनर राबी के लिए वेबिनार	टीम नाबी	सीसीएस नियाम, जयपुर	1 दिन	13	3	—	—	—	—	16	16	राजस्थान	16
11.	4-5.9.19	आर-एबीआई की हैडहोलिंग		एनआर आरआई, कटक	1 दिन	6	2	—	—	—	—	8	8	ओडिशा	8
12.	6.9.19	हैडहोलिंग आर-एबीआई		एसकेएन एयू-जॉबनेर	1 दिन	7	—	—	—	—	—	7	7	राजस्थान	7
13.	10.10.19 से 9.12.19	स्टार्टअप बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम	डॉ. रमेश मित्तल	एनआईए एम, जयपुर	2 महीने	12	0	0	0	0	1	11	12	राजस्थान	12

14.	14.10.19	स्टार्टअप कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेशन कार्यक्रम-II	टीम नाबी	सीसीएस नियाम	1 दिन	12	-	-	1	-	11	राजस्थान	12
15.	22.10.19	पार्टनर रबी के लिए वेबिनार	टीम नाबी	सीसीएस नियाम	1 दिन	13	3	-	-	-	16	राजस्थान	16
16.	18.12.19 से 19.2.20	कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम-II	टीम नाबी	सीसीएस नियाम	2 महीने	8	2	-	1	-	9	राजस्थान	10
17.	14-17.1.20	आर-एबीआई हेडहोलिंग		आईआई टी खड़गपुर	4 दिन	7	-	-	-	-	7	पश्चिम बंगाल	7
18.	28.1.20	पार्टनर रबी के लिए वेबिनार	टीम नाबी	सीसीएस नियाम	1 दिन	10	3	-	-	-	13	राजस्थान	13
19.	31.1.20 एवं 2.2.20	आर-एबीआई हेडहोलिंग	श्री अभिषेक शर्मा	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, बिहार	3 दिन	10	-	-	-	-	10	बिहार	10
20.	12.2.20	पुणे के छात्रों के लिए कृषि विपणन पर एक दिवसीय कार्यशाला टीम NABI		सीसीएस नियाम	1 दिन	32	18	-	-	-	50	राजस्थान	50

21.	19.2.20	MITWPU, पुणे के छात्रों के लिए कृषि विपणन पर एक दिवसीय कार्यशाला	टीम NABI	सीसीएस नियाम	1 दिन	35	15	—	—	—	—	50	राजस्थान	50
22.	28.2.20	MITWPU, पुणे के छात्रों के लिए कृषि विपणन पर एक दिवसीय कार्यशाला	टीम NABI	सीसीएस नियाम	1 दिन	35	24	—	—	—	—	59	राजस्थान	59
23.	11.3.20	पार्टनर राबी के लिए वेबिनार	टीम NABI	सीसीएस नियाम	1 दिन	7	3	—	—	—	—	10	राजस्थान	10
24.	12.3.20	पार्टनर राबी के लिए वेबिनार	टीम NABI	सीसीएस नियाम	1 दिन	2	—	—	—	—	—	2	राजस्थान	2

3. सीसीएस नियाम केन्द्र कृषि बाजार योजना और विकास

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	24 – 26.7.19	डेयरी उत्पादों के लिए विपणन रणनीतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनडी आरआई करनाल	3 दिन	28	2	2	2	2	1	25	हरियाणा	30
2.	3– 5.9.19	कृषि विपणन में नए आयाम पर बैनर कार्यक्रम फोकस क्षेत्र खाद्य प्रसंस्करण	डॉ. एस. सी. पंत	3 दिन	22	–	–	4	–	5	13	हरियाणा	22
3.	10– 12.9.19	बागवानी फसलों की ब्रांडिंग	समिति	3 दिन	22	8	–	–	30	–	–	नागालैण्ड	30
4.	16– 19.9.19	मछली और मछली उत्पादों के विपणन में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीएयू लेम्बुचेरा	3 दिन	22	3	5	5	5	3	12	त्रिपुरा	25

5.	26- 28.9.19	कृषि विपणन और पीएमएफबीवा ई में जोखिम प्रबंधन पर अभिविव्यास		समिति	3 दिन	21	9	—	30	—	—	—	नागालैण्ड	30
6.	26- 28.9.19	कृषि जिसों में मूल्यवर्धन		कोहिमा	3 दिन	22	5	—	27	—	—	—	नागालैण्ड	27
7.	27.9.19	फार्म, ऑफ फार्म और गैर फार्म कृषि उद्यमिता गतिविधियों पर		समिति	1 दिन	22	5	—	27	—	—	—	नागालैण्ड	27
8.	4- 6.11.19	प्रसंस्करण, पोषक अनाज का मूल्यवर्धन और विपणन		आईसीए आर- केंद्रीय कृषि इंजीनिय रिंग संस्थान कोयंबटूर	3 दिन	18	8	1	—	14	11	—	तमिलनाडु	26
9.	6- 8.11.19	जैविक उत्पाद का विपणन		भाकृअनुप —अटारी, पटना	3 दिन	23	4	2	—	23	2	—	बिहार	27

10.	20- 22.11.19	लाभकारी विपणन के लिए खाद्य पैकेजिंग, और लेबलिंग और ब्रांडिंग		पमेती, लुधियाना	3 दिन	27	2	—	—	—	—	29	पंजाब	29
11.	7.12.19	आर्थिक विकास के लिए औषधीय पौधों की खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. एस.सी. पंत	आईआई एएएसडी, जयपुर	1 दिन	140	160	—	—	—	—	300	राजस्थान	300
12.	27.1.20	11वें कृषि ज्ञान दीप लेक्चरर ऑन इन इनोवेशन इन एग्रीकल्चर अवार्ड किसान के अनुभव	डॉ. एस.सी. पंत	सीसीए एनआईए एम, जयपुर	1 दिन	100	50	—	—	—	—	150	राजस्थान	150

परामर्श: ISAM पर जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (AMI) योजना

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	29.10.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		ब्रह्मपुर, नगांव	1 दिन	9	31	1	1	34	4	असम	40
2.	30.10.19	ISAM- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		बेचामारी, दलगांव, दरंग	1 दिन	40	-	2	-	-	38	असम	40
3.	31.10.19	ISAM-कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		बोकाखत, गोलाघाट	1 दिन	35	-	-	2	29	4	असम	35

4.	1.11.19	ISAM पर जागरूकता कार्यक्रम – कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	डॉ. हेमा यादव	जिला कृषि कार्यालय मोरिंगांव	1 दिन	31	5	6	6	11	13	असम	36
5.	1.11.19	ISAM पर – जागरूकता कार्यक्रम– कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	डॉ. हेमा यादव	दोईमुख पम्पमपरा	1 दिन	15	25	40	–	–	–	अरुणा चल प्रदेश	40
6.	2.11.19	ISAM पर– जागरूकता कार्यक्रम– कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	डॉ. हेमा यादव	पनबारी, चिरांग	1 दिन	31	7	–	32	4	2	असम	28
7.	4.11.19	ISAM पर– जागरूकता कार्यक्रम– कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	डॉ. हेमा यादव	बारापानी, पूर्वी खासी हिल	1 दिन	15	25	–	40	–	–	मेघालय	40

वार्षिक प्रतिवेदन

8.	5.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	रामकृष्ण नगर, करीमगंज	1 दिन	27	12	6	—	7	26	असम	39
9.	7.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	पानीटोला, तिनसुकिया	1 दिन	37	2	9	—	30	—	असम	39
10.	9.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	ढेकियाजुली तेजपुर	1 दिन	26	1	—	8	12	7	असम	27
11.	14.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके जम्मू	1 दिन	26	4	13	3	10	4	जम्मू व कश्मीर	30

12.	15.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कटुआ	1 दिन	23	7	9	6	13	2	जम्मू व कश्मीर	30
13.	15.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		दीमापुर	1 दिन	35	5	—	40	—	—	नागालैंड	40
14.	16.11.19	ISAM पर - जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		धलाई	1 दिन	32	8	40	—	—	—	त्रिपुरा	40
15.	19.11.19	ISAM पर - जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके राजौरी	1 दिन	22	8	8	13	6	3	जम्मू व कश्मीर	30

16.	20.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके उधमपुर	1 दिन	21	9	11	8	5	6	जम्मू व कश्मीर	30
17.	30.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके धुले	1 दिन	26	4	9	3	12	6	महाराष्ट्र	30
18.	3.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		सम्बलपुर	1 दिन	33	15	8	19	10	11	ओडिशा	48
19.	6.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		नुआपाड़ा	1 दिन	34	17	2	10	39	-	ओडिशा	51

20.	8.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		गंजाम	1 दिन	30	11	—	34	04	03	ओडिशा	41
21.	9.11.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		भद्रक	1 दिन	38	12	8	—	35	7	ओडिशा	50
22.	9.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		बालनगिर	1 दिन	35	10	5	12	28	—	ओडिशा	45
23.	9.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		लोअरका बरी पश्चिम सिक्किम	1 दिन	6	22	1	15	12	—	सिक्किम	28

24.	10.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		नबरंगपुर	1 दिन	34	9	12	26	2	3	ओडिशा	43
25.	11.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		ढेंकानल	1 दिन	45	12	10	—	17	30	ओडिशा	57
26.	14.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		बालासोर	1 दिन	38	7	2	4	—	39	ओडिशा	45
27.	17.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		रायगढ़	1 दिन	40	5	1	1	43	—	ओडिशा	45

28.	20.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		उरिपोक पोलम लेड्काई इंफाल पूर्व	1 दिन	17	19	—	—	—	36	—	मणिपुर	36
29.	21.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		कोलाशिब	1 दिन	10	17	—	27	—	—	—	मिजोरम	27
30.	23.12.19	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		गजपति	1 दिन	37	8	14	10	13	8	—	ओडिशा	45
31.	11.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके नारायण गांव पूणे	1 दिन	42	8	17	8	15	10	—	महाराष्ट्र	50

वार्षिक प्रतिवेदन

32.	21.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		तापी	1 दिन	21	9	2	6	14	8	गुजरात	30
33.	22.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		डंग	1 दिन	24	5	3	3	17	6	गुजरात	29
34.	23.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		कन्या- कुमारी	1 दिन	24	6	6	8	9	7	तमिलनाडु	33
35.	24.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		कुडुलोर	1 दिन	19	14	10	12	8	3	तमिलनाडु	33

36.	24.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		सेलम	1 दिन	22	9	8	6	13	4	तमिल नाडु	31
37.	27.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके उदयपुर	1 दिन	23	5	3	9	11	5	राजस्थान	28
38.	29.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके जम्मीकुंटा	1 दिन	23	9	10	6	14	2	तैलंगाना	32
39.	29.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		एटीएमए एरना कुलम	1 दिन	20	9	11	8	7	3	केरल	29

40.	30.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		एटीएमए वायनाड	1 दिन	27	6	9	10	9	4	केरल	32
41.	30.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		एटीएमए कन्नूर	1 दिन	27	5	9	5	6	12	केरल	32
42.	30.1.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		एटीएमए कोझी कोड	1 दिन	21	9	5	9	10	6	केरल	30
43.	3.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कोडेम पुडी	1 दिन	21	9	12	5	6	7	आन्ध्र प्रदेश	30

44.	3.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके नॉर्थ गोवा	1 दिन	24	6	3	14	8	5	नॉर्थ गोवा	30
45.	4.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके विजय नगरम	1 दिन	26	6	8	8	16	—	आन्ध्र प्रदेश	32
46.	5.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके अमुदलव लासा	1 दिन	19	11	10	3	14	3	आन्ध्र प्रदेश	30
47.	7.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके रामगढ	1 दिन	25	5	5	8	11	6	झारखंड	30

48.	12.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके अनंतनाग	1 दिन	24	6	7	9	8	6	जम्मू व कश्मीर	30
49.	14.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके बांकुड़ा	1 दिन	20	10	1	11	16	2	प. बंगाल	30
50.	17.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		शहडोल	1 दिन	21	9	10	12	6	2	मध्यप्रदेश	30
51.	17.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		बस्ती	1 दिन	24	6	4	6	10	10	उत्तरप्रदेश	30

52.	17.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कांकेर	1 दिन	21	9	10	7	10	3	छत्तीसगढ़	30
53.	17.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कोरबा	1 दिन	24	8	10	8	12	2	छत्तीसगढ़	32
54.	18.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कोरिया	1 दिन	25	5	10	6	13	1	छत्तीसगढ़	30
55.	18.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके जसपुर	1 दिन	23	7	5	12	13	—	छत्तीसगढ़	30

56.	18.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके जलपाई गुडी	1 दिन	24	6	7	3	16	4	प. बंगाल	30
57.	18.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		महाराज गंज	1 दिन	21	9	1	4	13	12	उत्तरप्रदेश	30
58.	19.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		मउ	1 दिन	23	7	7	6	14	3	उत्तरप्रदेश	30
59.	19.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		छिंदवाडा	1 दिन	24	6	6	4	12	8	मध्यप्रदेश	30

60.	19.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	सोलन	1 दिन	23	7	4	6	12	8	हिमाचल प्रदेश	30
61.	20.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके चितौड़ गढ़	1 दिन	25	5	5	8	11	6	राजस्थान	30
62.	20.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके कम्पा सागर	1 दिन	21	9	11	10	8	1	तैलंगाना	30
63.	20.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	सिरमौर	1 दिन	26	6	12	5	9	6	हिमाचल प्रदेश	32

64.	20.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		मिर्जापुर	1 दिन	24	6	4	5	12	9	उत्तरप्रदेश	30
65.	21.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		सोनभद्र	1 दिन	22	8	2	8	13	7	उत्तरप्रदेश	30
66.	22.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		उना	1 दिन	22	8	12	6	10	2	हिमाचल प्रदेश	30
67.	22.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके लेह	1 दिन	26	5	7	8	6	10	जम्मू व कश्मीर	31

68.	24.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	बिलासपुर	1 दिन	23	7	6	5	13	6	हिमाचल प्रदेश	30
69.		ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	केवीके मालदा	1 दिन	23	7	7	6	17	—	प.बंगाल	30
70.	24.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	खरगोन	1 दिन	18	12	10	2	13	5	मध्यप्रदेश	30
71.	24.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना	एटीएमए कोल्लम	1 दिन	24	6	3	4	16	7	केरल	30

72.	25.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके कारगिल	1 दिन	21	9	9	6	14	1	जम्मू व कश्मीर	30
73.	26.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		रतलाम	1 दिन	23	7	4	7	11	8	मध्यप्रदेश	30
74.	26.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके बाराभूला	1 दिन	24	6	8	13	6	3	जम्मू व कश्मीर	30
75.	26.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके मूर्शिदाबाद	1 दिन	27	3	2	8	13	7	प. बंगाल	30

76.	26.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके पिपरा कोथि	1 दिन	19	11	4	2	18	6	बिहार	30
77.	27.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके बड़गाँव	1 दिन	27	5	5	14	5	8	जम्मू व कश्मीर	32
78.	27.2.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके रांची	1 दिन	21	9	5	3	12	10	झारखंड	30
79.	13.3.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		केवीके वैशाली	1 दिन	24	6	4	7	14	5	बिहार	30
80.	17.3.20	ISAM पर- जागरूकता कार्यक्रम- कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना		महबूब नगर	1 दिन	27	40	10	21	16	20	तैलंगाना	67

4. आईसीटी और ई-नाम के लिए केंद्र

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	25-27.6.19	कृषि विपणन में आईसीटी और ई-एनएएम की भूमिका	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	केएयू, त्रिशूर	3 दिन	41	9	1	—	28	21	केरल	50
2.	21-23.8.19	बैनर कार्यक्रम— फोकस क्षेत्र— कृषि विपणन में आईसीटी का उपयोग	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	पांडि-चेरी	3 दिन	17	8	4	—	20	1	पांडि-चेरी	25
3.	27-29.8.19	कृषि विपणन में ई-नाम की भूमिका	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	एसवी-पीयू टी, मेरठ	3 दिन	34	8	6	—	15	21	उत्तर प्रदेश	42
4.	10-11.10.19	एफपीओ के सतत विकास के लिए ई-गवर्नेंस	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	एनआई टीआई, मैंगलोर	2 दिन	32	5	1	0	6	30	कर्नाटक	37

5.	4- 6.11.19	एकीकृत कृषि प्रणाली, प्रसंस्करण और विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके इंफाल पश्चिम	3 दिन	0	35	20	2	10	3	मणिपुर	35
6.	7- 9.11.19	बागवानी फसलों और विपणन के फसल-पश्चा त प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, शौबल	3 दिन	0	35	20	8	0	22	मणिपुर	35
7.	20- 22.11.19	ई-नाम की भूमिका और कृषि विपणन में आईसीटी का उपयोग	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	एनएस टीआई एएम, हुगली	3 दिन	19	1	1	1	2	16	पश्चिम बंगाल	20
8.	20- 22.11.19	कृषि विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	युवा छात्रा- वास, खुमान लम्पक, इंफाल	3 दिन	0	35	8	4	10	13	मणिपुर	35
9.	13- 15.2.20	कृषि विपणन में आईसीटी और ई-नाम की अनुप्रयोज्यता	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	युवा छात्रा वास, खुमान लम्पक, इंफाल	3 दिन	27	11	10	0	18	10	मणिपुर	38

10.	28- 30.11.19	कृषि विपणन में कृषि मूल्य श्रृंखला की भूमिका	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, हेंगबुंग, सेना पति	3 दिन	0	37	0	0	0	0	0	मणिपुर	37
11.	17- 19.12.19	कृषि विपणन में मार्केटिंग इंटेलिजेंस की भूमिका	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	SKU- AST जे. काथा	3 दिन	16	4	0	2	0	18	20	जम्मू व कश्मीर	20
12.	13- 15.2.20	मणिपुर के स्थानीय रूप से उपलब्ध मसालों का प्रसंस्करण और विपणन	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, इंफाल पश्चिम	3 दिन	11	29	8	0	22	10	40	मणिपुर	40
13.	2- 4.3.20	आय उत्पन्न करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध जैव-संसाध नों को जुटाने की गुंजाइश	डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, चूर्यद पुर	3 दिन	29	13	0	42	0	2	42	मणिपुर	42

14.	5-7.3.20	आय उत्पन्न करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सुगंधित पौधों को जुटाने की गुंजाइश	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, चूर्चद पुर	3 दिन	27	13	0	40	0	0	मण्पुर	40
-----	----------	---	-----------------------------	--------------------	-------	----	----	---	----	---	---	--------	----

परामर्श कार्यक्रम

15.	6-10.1.20	तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों के लिए कृषि विपणन और डूषि व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	आई सीएम, जयपुर	5 दिन	13	3	3	0	7	6	तमिल नाडु	16
2.	3-7.2.20	तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों के लिए कृषि विपणन और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	आईसी एम, जयपुर	5 दिन	8	10	3	0	13	2	तमिल नाडु	18

5. सीसीएस नियाम सेंटर फॉर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	21-23.8.19	फॉर्म, ऑन फॉर्म और गैर-फॉर्म गतिविधियों के माध्यम से आय सृजन		की-नौ थोना खा, बिशन पुर, मणिपुर (सीएयू)	3 दिन	28	1	—	4	25	—	मणिपुर	29
2.	22-24.8.19	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		कोकरा झार	3 दिन	38	2	—	40	—	—	असम	29
3.	26-28.8.19	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		उदाल गिरी	3 दिन	30	10	—	40	—	—	असम	40
4.	26-28.8.19	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		मोरीगांव	3 दिन	28	12	—	40	—	—	असम	40

5.	29— 31.8.19	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		मुशाल पुर	3 दिन	29	16	—	45	—	—	असम	45
6.	29— 31.8.19	जैविक उत्पादों के लिए विपणन रणनीतियाँ		पासी घाट, (सीएयू)	3 दिन	29	16	—	39	5	1	अरुणा चल प्रदेश	45
7.	2— 4.9.19	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		रानी, काम रूप ग्रामीण	3 दिन	17	23	—	40	—	—	असम	40
8.	4— 6.9.19	फलों और सब्जियों की पैकेजिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।		लम्फेल पत	3 दिन	27	1	—	4	मणिपुर	28		
9.	4— 6.9.19	अनुबंध खेती के माध्यम से बागवानी किसानों का सामाजिक— आर्थिक विकास		पासी घाट, (सीएयू)	3 दिन	25	9	—	34	—	—	अरुणा चल प्रदेश	34

वार्षिक प्रतिवेदन

10.	अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण (सीएयू)		किन जीत मेबो, पासी घाट	3 दिन	—	45	—	—	—	अरुणाचल प्रदेश	45
11.	बागवानी उत्पाद के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	7-9.9.19	हीरा गांव	3 दिन	18	22	40	—	—	असम	40
12.	उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छे बागवानी अभ्यास	9-11.9.19	पासी घाट, (सीएयू)	3 दिन	14	14	—	28	—	अरुणाचल प्रदेश	28
13.	बागवानी उत्पादों का विपणन	19-21.9.19	जोवाई	3 दिन	18	26	—	44	—	मेघालय	44
14.	कृषि उपज का विपणन	16-19.9.19	कैला शहर, उना कोटी	3 दिन	36	5	41	—	—	त्रिपुरा	41

15.	18- 20.9.19	फलों और सब्जियों की पैकेजिंग		सीएयू, इंफाल	3 दिन	11	15	—	4	1	21	मणिपुर	26
16.	19- 21.9.19	गहन डेयरी फार्मिंग और ऊर्जा प्रबंधन		सीईई पीए चटी, रानी पूल (सीएयू)	3 दिन	23	2	1	2	19	3	सिक्किम	25
17.	19- 21.9.19	कृषि उपज का विपणन		डकली	3 दिन	43	—	43	—	—	—	त्रिपुरा	40
18.	21- 23.9.19	बागवानी उत्पादों का विपणन		उमियम	3 दिन	16	24	—	40	—	—	मेघालय	40
19.	23- 25.9.19	कृषि उपज का विपणन		बमु टिया	3 दिन	32	8	40	—	—	7	त्रिपुरा	40
20.	24- 26.9.19	बागवानी उत्पादों का विपणन		उमरों	3 दिन	17	23	—	40	—	—	मेघालय	40
21.	24.9.19	इलायची उत्पादकों के विकास और स्थिरता के लिए		रावण गला, दक्षिण सिक्किम (आई आई पीएम)	3 दिन	23	9	28	0	2	2	सिक्किम	32

22.	25.9.19	कृषि सहमतियों के लिए औद्योगिक प्रेरक अभियान (एमएसएमई)	श्री गंगा नगर	3 दिन	75	—	—	75	—	राजस्थान	75
23.	25— 25.9.19	इलायची उत्पादकों (आईआई पीएम) के विकास और स्थिरता के लिए उद्यमिता	रौंगली, पूर्वी सिक्किम (आई आई पीएम)	3 दिन	28	1	—	4	25	सिक्किम	46
24.	25.9.19	उद्यमिता विकास कार्यक्रम	गंगा टोक (आई आई पीएम के सहयोग से)	3 दिन	25	15	40	—	—	सिक्किम	40
25.	25— 27.9.19	आय में वृद्धि के लिए गहनता और विविधीकरण (सीएयू)	केवीके, साउथ गारो	3 दिन	21	19	—	40	—	अरुणाचल प्रदेश	



वार्षिक प्रतिवेदन

26.	26.9.19	सिक्किम के इलायची उत्पादकों का उद्यमिता विकास और स्थायित्व		सिंधिक उत्तरी सि- विक्रम (आई आई पीएम के सह योग से)	3 दिन	6	38	39	0	4	1	सिक्किम	44
27.	26-28.9.19	सिक्किम में हिमालयी क्षेत्र के जलवायु परिवर्तन जोखिम न्यूनीकरण सीमांत किसान		रानी पूल, गंग टोक सि विक्रम (सीएयू)	3 दिन	10	15	12	2	11	0	सिक्किम	25
28.	26-28.9.19	कृषि उपज का विपणन		ढकिया जुली, सोनू ईपुर (एस एफ एसी के सह योग से)	3 दिन	40	—	40	—	—	—	असम	40

29.	27.9.19	इलायची उत्पादकों के विकास और स्थायित्व के लिए उद्यमिता		दजोंगु, उत्तरी सिक्किम (आई आई पीएम के सह योग से)	3 दिन	35	12	42	0	4	1	सिक्किम	47
30.	27-29.9.19	दालों, मसालों और मांस के लिए मूल्यवर्धन		बसि-खोंग, इंफाल पश्चिम (सीएयू)	3 दिन	15	15	—	30	—	—	मणिपुर	30
31.	28.9.19	इलायची उत्पादकों (आईआई पीएम) के विकास और स्थिरता के लिए उद्यमिता		पक योंग, (आई आई पीएम के सह योग से)	3 दिन	34	11	40	0	1	4	सिक्किम	45
32.	28-30.9.19	कृषि उपज का विपणन		चेंगा, बारपेटा	3 दिन	10	32	42	—	—	—	असम	42

33.	16.10.19	प्रमाणपत्र योजना में एमएसएमई को वित्तीय सहायता पर उद्योग जागरूकता कार्यक्रम		शोरांग	3 दिन	68	—	—	19	47	राजस्थान	68
34.	5-7.11.19	कृषि जिसों के लिए मूल्य श्रृंखला विश्लेषण		इंफाल, आईआ ईपीएम के सह योग से	3 दिन	17	14	1	5	10	मणिपुर	31
35.	7-9.11.19	मसालों के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		तितं गागुरी, कोक राजार	3 दिन	30	10	0	40	0	असम	40
36.	11-13.11.19	मसालों के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		चिरांग	3 दिन	24	16	0	40	0	असम	40
37.	12-14.11.19	उत्तर पूर्वी क्षेत्र में कॉफी का मूल्यवर्धन और विपणन		गुवाहाटी कॉफी बोर्ड के सह योग से	3 दिन	23	4	14	—	13	असम	27

38.	15- 17.11.19	कृषि व्यवसाय विकास और एफपीओ के बाजार लिकेज पर कार्यशाला		बिलास चेरा, कमाल पुर, धलाई (एस एफ एसी के सह योग से)	3 दिन	32	8	40	0	0	0	0	त्रिपुरा	40
39.	21- 23.11.19	विकास पर कृषि विपणन का प्रभाव		लहरी घाट, मोरी गांव	3 दिन	32	8	40	0	0	0	0	असम	40
40.	22- 24.11.19	विकास पर कृषि विपणन का प्रभाव		लखी पुर, गोल पारा	3 दिन	13	27	40	0	0	0	0	असम	40
41.	23- 25.11.19	कृषि विपणन और उद्यमिता		आई इसीसी आई, भोपाल, एमपी	3 दिन	12	13	12	13	—	—	—	एमपी	25
42.	23- 25.11.19	कृषि विपणन और उद्यमिता		आई इसीसी आई, भोपाल, एमपी	3 दिन	12	13	12	13	—	—	—	एमपी	25



वार्षिक प्रतिवेदन

43.	26- 29.11.19	कृषि विपणन और पीएम एफबीवाई में ई-एनएम और आईसीटी उपयोग की भूमिका		आइ जोल	4 दिन	3	17	—	20	—	—	मिजोरम	20
44.	26- 29.11.19	पीएमएफबी वाई और एफपीओ को बाजार से जोड़ना		आइ जोल	4 दिन	4	16	—	20	—	—	मिजोरम	20
45.	27- 29.11.19	एफपीओ के कृषि व्यवसाय विकास और बाजार लिकेज पर कार्यशाला		बोरि गोंग, नल बाड़ी	3 दिन	25	15	45	0	0	0	असम	40
46.	27- 29.11.19	कृषि विपणन में नए आयाम - फोकस क्षेत्र, जैविक खेती		आई सीए आर- सीआई एआर आई, पोर्ट ब्लेयर, ए एंड एन राज्य	3 दिन	15	10	3	12	1	9	पोर्ट ब्लेयर	25

47.	28- 30.11.19	मसालों का विपणन		मि- याओ, चांग लांग	3 दिन	35	5	0	40	0	0	अरुणाचल प्रदेश	40
48.	29.11.19	कृषि के फार्म टू फोर्क मार्केटिंग प्रोड्यूस		टिक- मगढ़	1 दिन	25	0	25	0	0	0	एमपी	25
49.	30.11.19	कृषि विपणन में मूल्यवर्धन		छतर पुर	1 दिन	33	—	33	—	—	—	मध्यप्रदेश	33
50.	2- 4.12.19	मसालों का विपणन		धनु भंगा, धूपदरा	3 दिन	10	30	0	40	0	0	असम	40
51.	3- 5.12.19	मसालों का विपणन		आलो, पश्चिम सियांग	3 दिन	36	4	0	40	0	0	अरुणाचल प्रदेश	40
52.	5- 7.12.19	एफपीओ के कृषि व्यवसाय विकास और बाजार लिकेज पर कार्यशाला		महरी पारा, गोरे श्वर	3 दिन	30	10	40	0	0	0	असम	40

53.	16- 18.12.19	एफपीओ के कृषि व्यवसाय विकास और बाजार लिकेज पर कार्यशाला		लक्ष्मी बिल, बिशाल गढ़, सिपाही जला	3 दिन	38	2	40	0	0	0	0	0	त्रिपुरा	40
54.	16- 18.12.19	मसालों का विपणन		रोइंग, निचली दिबांग घाटी	3 दिन	33	7	0	40	0	0	0	0	अरुणा चल प्रदेश	40
55.	20- 22.12.19	मसालों का विपणन		मुदियो गुरी, दरांग	3 दिन	5	35	0	40	0	0	0	0	असम	40
56.	23- 25.12.19	मसालों का विपणन		रू- क्सिन, पूर्वी सियांग	3 दिन	4	36	0	40	0	0	0	0	अरुणा चल प्रदेश	40
57.	26- 28.12.19	एफपीओ के कृषि व्यवसाय विकास और बाजार लिकेज पर कार्यशाला		काकरा बोन, उदय पुर, गोमती	3 दिन	37	3	40	0	0	0	0	0	त्रिपुरा	40

58.	6- 8.1.20	एफपीओ के कृषि व्यवसाय विकास और बाजार लिकेज पर कार्यशाला		दीमाजी	3 दिन	26	16	42	0	0	0	असम	42
59.	8- 10.1.20	एटीएमए अधिकारियों के लिए कृषि विपणन प्रबंधन 32		कृषि महा विद्या लय, भरुच	3 दिन	25	7	2	1	17	12	गुजरात	32
60.	22.1.20	छोटे मसाले की खेती करने वालों की स्थायी आजीविका के लिए मसालों का जैविक उत्पादन और प्रमाणीकरण		आईआ ईपीएम केंद्र, जोर हाट, असम (आई आईपी एम के सह योग से)	1 दिन	35	5	2	4	28	6	असम	40
61.	23.1.20	उत्तर पूर्व भारत में मसाला उत्पादन के लिए सतत रणनीतियाँ		टाय रून, तिता बरी (आई आईपी एम के सहयो ग से)	1 दिन	9	37	18	9	18	1	असम	46



वार्षिक प्रतिवेदन

62.	24.1.20	उत्तर पूर्व भारत में मसाला उत्पादन के लिए सतत रणनीतियाँ		आईआ ईपीएम केंद्र, जोर हाट, (आई आईपी एम के सह योग से)	1 दिन	32	2	—	—	21	13	असम	34
63.	25.1.20	उत्तर पूर्व भारत में मसाला उत्पादन के लिए सतत रणनीतियाँ		बोर होल्ला, (आई आईपी एम के सह योग से)	1 दिन	20	11	—	—	1	10	असम	31
64.	5.2.20	जैविक चाय उत्पाद प्रमाणन और विपणन – छोटे चाय उत्पादकों के लिए एक स्थायी आजीविका विकल्प		खो वांग, डिब्रूगढ़ (आई आईपी एम के सह योग से)	1 दिन	58	4	—	51	1	10	असम	62

65.	6.2.20	उत्पाद प्रमाणन और विपणन – छोटे चाय उत्पादकों के लिए एक स्थायी आजीविका विकल्प	राज गढ़, डिब्रूगढ़ (आई आईपी एम के सह योग से)	1 दिन	29	8	—	1	24	12	असम	37
-----	--------	--	--	-------	----	---	---	---	----	----	-----	----

परामर्श : 2019–20 के दौरान किए गए एनआरएए प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	6.2.20	वर्षा सिंचित क्षेत्रों में नीतिगत समर्थन और आय बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियां, उद्यम		जस वंतीपुरी ,चुरू	1 दिन	35	—	—	—	33	2	राज स्थान	35
2.	7— 2.2.20	वर्षा सिंचित क्षेत्रों में नीति गत समर्थन और आय बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियां, उद्यम		रायपुर, चुरू	1 दिन	34	—	8	—	11	15	राज स्थान	34

3.	12.2.20	वर्षा सिंचित क्षेत्रों में नीतिगत समर्थन और आय बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियां, उद्यम	स्यार, अजमेर	1 दिन	85	—	21	1	49	14	राजस्थान	85
4.	13.2.20	वर्षा सिंचित क्षेत्रों में नीतिगत समर्थन और आय बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियां, उद्यम	केसर पुरा, अजमेर	1 दिन	46	42	1	8	76	3	राजस्थान	88

6. सीसीएस नियाम सेंटर फॉर इंस्टीट्यूशनल बिल्डिंग

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग	सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	
1.	15-17.7.19	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	केवीके, बस्सी	3 दिन	30	—	—	30	—	राजस्थान	30
2.	29-31.7.19	कृषि विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. शुचि माथुर	दौसा	3 दिन	37	8	45	—	—	राजस्थान	45

3.	8.8.19	कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान-7 डेटा संप्रभुता: कृषि में प्रासंगिकता	डॉ. शुचि माथुर	सीसी एस नियाम	1 दिन	140	45	—	—	—	—	185	राज स्थान	185
4.	8.8.19	कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान-8 छोटे जोत वाले किसानों के लिए सर्वश्रेष्ठ दस खाद्य प्रौद्योगिकी	डॉ. शुचि माथुर	सीसी एस नियाम	1 दिन	140	45	—	—	—	—	185	राज स्थान	185
5.	18.9.19	कृषि कौशल विकास	डॉ. शुचि माथुर	बस्सी	1 दिन	40	—	1	32	2	5	40	राज स्थान	40
6.	19.9.19	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	विराज पुरा, बस्सी	1 दिन	52	13	20	45	—	—	65	राज स्थान	65
7.	21-23.10.19	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	जामवा रामगढ़	3 दिन	45	6	8	43	—	—	51	राज स्थान	51

8.	1— 3.12.19	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	चौमू	3 दिन	41	12	26	27	0	0	राज स्थान	20
9.	9— 10.1.20	कृषि विपणन प्रबन्धन	डॉ. शुचि माथुर	जयपुर	2 दिन	20	—	—	—	2	9	राज स्थान	20
10.	3— 5.2.20	एफपीओ के लिए सुशासन और विपणन रणनीतियाँ	डॉ. शुचि माथुर	जयपुर	3 दिन	25	—	—	—	3	22	राज स्थान	25
11.	14.2.20	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	कन्या कुमारी	1 दिन	174	45	194	25	—	—	तमिल नाडु	219
12.	15.2.20	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	कन्या कुमारी	1 दिन	174	45	194	25	—	—	तमिल नाडु	219
13.	18— 20.2.20	चावल आधारित उत्पादों की मूल्य श्रृंखला और मूल्यवर्धन असम	डॉ. शुचि माथुर	ईईआई समे लन हॉल, एएयू जोर हाट	3 दिन	0	25	11	0	12	2	असम	25
14.	20— 22.2.20	उत्पादकता वृद्धि तकनीक	डॉ. शुचि माथुर	सीसी एस एनआई एएम एन पीसी के सह योग से	1 दिन	37	3	—	—	—	40	राज स्थान	40

15.	2-6.3.20	जैविक खेती और विपणन	डॉ. शुवि माथुर	जयपुर	5 दिन	26	0	0	0	15	11	राजस्थान	26
-----	----------	---------------------	----------------	-------	-------	----	---	---	---	----	----	----------	----

7. निगरानी और मूल्यांकन केंद्र

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल		
1.	29-31.7.19	एकीकृत कृषि प्रणाली, प्रसंस्करण और विपणन	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	केवीके, शौबल	3 दिन	35	8	23	—	17	3	मणिपुर	43
2.	30.7.19 से 1.8.19	प्राकृतिक रेजिन और गोंद के उत्पादन और मूल्य वर्धन में तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण स्तर के संगठनों को सक्षम बनाना	डॉ. एस. आर. सिंह, उप निदेशक	आई आई एन आरजी, रांची	3 दिन	25	2	2	6	12	7	झारखंड	27

3.	1- 3.8.19	बागवानी फसलों और विपणन का फसलोत्तर प्रबंधन	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	डीओए, इंफाल	30 दिन	20	20	5	10	12	13	मणिपुर	40
4.	11- 13.9.19	एटीएमए अधिकारियों के लिए कृषि विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, मध्य प्रदेश सरकार	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	सीआई ईई, भोपाल	3 दिन	17	2	3	2	9	5	मध्य प्रदेश	19
5.	16- 18.9.19	मार्केट-लेड -एक्सटेंशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	हमेती, जींद	3 दिन	21	-	7	-	2	12	हरि याणा	30
6.	18- 20.9.19	नमक प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अभिनव विपणन अभ्यास	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	सी एस एस आर आई, करना ल	3 दिन	30	-	-	-	8	22	हरि याणा	30
7.	23- 25.9.19	मार्केट लीड एक्सटेंशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके एंड्रो इंफाल (पूर्व)	3 दिन	19	17	12	-	16	8	मणिपुर	36

8.	26-28.9.19	कृषि विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके, लाम्फे ल, इंफाल	3 दिन	23	15	15	1	9	13	मणिपुर	38
9.	17-19.10.19	मार्केट लीड एक्सटेंशन एंड मार्केट इंटरवेंशन	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके, बिष्णु पुर,	3 दिन	26	12	16	8	10	4	मणिपुर	38
10.	21-23.10.19	एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि उपज के प्रसंस्करण और विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके, सेना पति, हेंगाबंग	3 दिन	25	12	0	37	0	0	मणिपुर	37
11.	24-26.10.19	किसानों को बाजार से जोड़ने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	डीआई सी, इंफाल पूर्व	3 दिन	27	10	0	37	0	0	मणिपुर	37
12.	10-11 13.1.20	सीटू अवशोष, पैकेजिंग और विपणन से विभिन्न प्रकार के जैविक इनपुट उत्पादन की खोज	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके, शौबल	3 दिन	22	21	16	0	21	6	मणिपुर	43

13.	14- 16.1.20	मणिपुर के काले चावल की प्रोसेसिंग पैकेजिंग, ब्रांडिंग के माध्यम से कृषि विपणन को बढ़ाना	डॉ.एस. आर.सिंह, उप निदेशक	युवा छात्रा वास, खुमान, लम्पक इम्फाल	3 दिन	25	14	8	6	15	10	मणिपुर	39
14.	10- 12.2.20	बागवानी फसलों के मूल्यवर्धन के माध्यम से विपणन को बढ़ाना	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	केवीके, शौबल	3 दिन	35	7	5	0	25	12	मणिपुर	42

परामर्श 2019-20 के दौरान तमिलनाडु विपणन विभाग प्रायोजित कार्यक्रम

15.	17- 21.2.20	तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों के लिए कृषि विपणन और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	आई सीएम, जयपुर	3 दिन	20	0	1	2	17	0	तमिल नाडु	20
16.	2- 6.3.20	एटीएमए योजना के तहत कृषि विपणन में नए आयाम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. एस. आर.सिंह, उप निदेशक	आईसी एम, जयपुर	5 दिन	35	0	7	0	11	17	उत्तर प्रदेश	35

8. सीसीएस नियाम सेंटर फॉर एग्री-लॉजिस्टिक्स

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल		
1.	12-13.3.19 व 17-29.6.219	कृषि विपणन पर प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	आईसी सीएम आरटी, लख नऊ	15 दिन	15	—	5	—	3	7	उत्तरप्र देश	15
2.	3.8.19	वेयरहाउस पंजीकरण और इंटर फेस b/w eNWR और e-NAM पर कार्यशाला	डॉ. रमेश मित्तल	मैनेज, हैदरा बाद	1 दिन	77	8	7	7	12	59	तेलंगा ना	85
3.	31.8.19	ई-एनडब्ल्यू आर और ई-एनएम के बीच गोदाम पंजीकरण और इंटरफेस पर कार्यशाला	डॉ. रमेश मित्तल	विजय वाड़ा	1 दिन	98	12	12	4	10	84	आंध्र प्रदेश	110

4.	26-28.9.19	बागवानी फसलों का विपणन और मूल्य शृंखला विकास	डॉ. रमेश मित्तल	सिकुन, लिंगजी	3 दिन	15	13	2	14	9	3	सिक्किम	28
5.	20-22.1.20	बागवानी फसलों का विपणन और मूल्य शृंखला विकास	डॉ. रमेश मित्तल	बागवानी निदेशालय, शिलोंग	3 दिन	22	—	—	22	—	—	मेघालय	22

कंसलटेंसी : 2019-20 के दौरान डब्ल्यूडीआरए प्रायोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	29.5.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. शुचि माथुर	सीकर	1 दिन	57	0	6	3	44	4	राजस्थान	57
2.	24.6.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. शुचि माथुर	केवीके, पलवल	1 दिन	50	0	9	0	5	36	हरियाणा	50
3.	24-28.6.19	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त गोदाम के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. शुचि माथुर	श्री सेम, गांधी नगर	5 दिन	29	0	1	0	16	12	गुजरात	29

4.	25.6.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	केवीके, सोनी पत	1 दिन	50	0	1	1	39	9	हरियाणा	50
5.	26.6.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	केवीके, फतेहा बाद	1 दिन	40	10	0	2	38	38	हरियाणा	50
6.	30.7.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	केवीके, बीका नेर	1 दिन	45	10	19	0	36	0	राजस्थान	55
7.	31.7.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	केवीके, गंगा नगर	1 दिन	50	0	18	0	32	0	राजस्थान	50
8.	17.8.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	केवीके, बानसूर, अलवर	1 दिन	50	0	8	11	22	9	राजस्थान	50
9.	14-18.10.19	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउस के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	एनआई पीएच टी, पुणे	5 दिन	14	0	—	—	—	14	महाराष्ट्र	14

10.	9- 13.12.19	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउस के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. शुची माथुर	यूरी सेम, गांधी नगर, गुजरात	5 दिन	16	0	2	0	7	7	गुजरात	16
11.	17.12.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. शुची माथुर	केवीके, लुधि याना	1 दिन	60	0	1	0	11	48	पंजाब	60
12.	18.12.19	डब्ल्यूडीआरए जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. शुची माथुर	केवीके, जा-लंधर	1 दिन	46	4	17	0	0	33	पंजाब	50
13.	27- 31.1.20	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउसके अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. शुची माथुर	इरोड	5 दिन	29	11	-	-	23	17	तमिल नाडु	40
14.	3- 7.2.20	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउसके अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. शुची माथुर	इरोड	5 दिन	31	9	1	-	39	-	तमिल नाडु	40

15.	17- 21.2.20	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउस के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	कोयम्ब टूर	5 दिन	27	0	3	—	4	20	तमिल नाडु	27
16.	24- 28.2.20	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउस के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	कोयम्ब टूर	5 दिन	27	4	—	—	9	22	तमिल नाडु	31
17.	2- 6.3.20	डब्ल्यूडीआरए मान्यता प्राप्त वेयरहाउस के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ शुची माथुर	इरोड	5 दिन	27	0	—	1	26	0	तमिल नाडु	27

9. कृषि व्यवसाय प्रबंधन और शिक्षा के लिए सीसीएस नियाम केन्द्र

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	18-20.9.19	विपणन में ई-नाम और आईसीटी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम		एसकेए यूबीका नेर	3 दिन	17	18	7	3	7	8	राजस्थान	25
2.	26-28.9.19	ई-नाम और विपणन में आईसीटी का उपयोग		एमपीए यूटी, उदयपुर	3 दिन	2	42	7	13	7	17	राजस्थान	44
3.	27.9.19	कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान-9 पारिवारिक किसान: कृषि विपणन का भविष्य	डॉ. एस. सी. पंत	सीसी एस, नियाम	1 दिन	80	20	-	-	-	100	राजस्थान	100
4.	22-24.10.19	कृषि विपणन में नए आयाम		केएसए एमबी, मैसूर	3 दिन	25	15	28	12	-	-	कर्नाटक	40

5.	23-25.10.19	विपणन में ई-नाम और आईसीटी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	केएसए एमबी, हुबली	3 दिन	18	22	32	8	—	—	कर्नाटक	40
6.	18-20.12.19	विपणन में ई-नाम और आईसीटी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एसए एमबी, बेंगलोर	3 दिन	36	4	29	11	—	—	कर्नाटक	40

9. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए सीसीएस नियाम केन्द्र

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
		दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ अध्ययन-सह-इंटरफेस बैठक		सीसी एस नियाम	2 दिन	2	1	0	0	0	3	राजस्थान	3

2019-20 के दौरान सीसीएस नियाम द्वारा किए गए आउटरीच कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	28.05.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	अबोहर	1 दिन	600	25	—	—	—	—	पंजाब	625
2.	31.5.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	जालंधर	1 दिन	600	20	—	—	—	—	पंजाब	620
3.	4.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	पटियाला	1 दिन	730	20	—	—	—	—	पंजाब	750
4.	7.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	झज्जर	1 दिन	460	40	—	—	—	—	हरियाणा	500
5.	18.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	रोहतक	1 दिन	450	50	—	—	—	—	हरियाणा	500

6.	14.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	कर नाल	1 दिन	460	40	—	—	—	—	—	उत्तर प्रदेश	500
7.	18.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	कानपुर	1 दिन	400	50	—	—	—	—	—	उत्तर प्रदेश	450
8.	22.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	गोरखपुर	1 दिन	550	70	—	—	—	—	—	उत्तर प्रदेश	620
9.	24.6.19	आउटरीच कार्यक्रम सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	पटियाला में भार तीय उद्योग परिसंघ	1 दिन	250	100	—	—	—	—	—	पंजाब	350
10.	26.6.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	फरुखा बाद	1 दिन	500	20	—	—	—	—	—	उत्तर प्रदेश	520

11.	3.7.19	सीआईआई के सहयोग से नवोन्मेषी किसानों की बैठक	डॉ रमेश मित्तल	चंडी गढ़	1 दिन	60	40	—	—	—	—	—	हरियाणा	100
12.	27.7.19	स्टार्टअप मास्टर क्लास प्रोग्राम	टीम नाबी	जे.के. लक्ष्मी पथ विश्व विद्यालय, जयपुर	1 दिन	100	50	—	—	—	—	—	राजस्थान	150
13.	23.8.19	आउटरीच कार्यक्रम	कविता शर्मा	वन स्थली विद्या पीठ, जयपुर	1 दिन	—	100	—	—	—	—	—	राजस्थान	100
14.	5.9.19	आउटरीच कार्यक्रम	कविता शर्मा एवं श्री अक्षय सिंह राणावत	विवेका नंद प्रोद्यो-गिकी संस्थान जयपुर	1 दिन	83	67	—	—	—	—	150	राजस्थान	150
15.	18.9.19	“आउटरीच प्रोग्राम” एनआईएम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर (एनएबीआई),	श्री नितिन लाहोटी एव श्री अभिषेक शर्मा	ओघ वास ग्राम, जयपुर	1 दिन	45	—	—	—	—	—	45	राजस्थान	45

वार्षिक प्रतिवेदन

16.	19.9.19	“आउटरीच प्रोग्राम” एनआईएएम एग्री-बिजनेस इनक्यूबेटर (एनएबीआई),	श्री राहुल सांखला	बस्सी गांव, जयपुर	1 दिन	45	15	—	—	—	60	राजस्थान	60
17-56	2019-20	कृषि विश्वविद्यालयों (39 बैचों) के छात्रों के लिए अध्ययन सह एक्सपोजर विजिट		सीसी एस नियाम	1 दिन प्रत्येक	—	—	—	—	—	2220	राजस्थान	2220
57-62	2019-20	किसानों के लिए अध्ययन सह एक्सपोजर दौरा (6 समूह)		सीसी एस नियाम	1 दिन प्रत्येक	—	—	—	—	—	211	राजस्थान	211



वर्ष 2018-19 के दौरान कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) योजना के लिए परामर्श

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		पलामू	1 दिन	41	2	1	6	22	14	झारखंड	43
2.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		बोकारो	1 दिन	38	2	6	3	19	12	झारखंड	40
3.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		पूर्वी सिंहभूमि	1 दिन	34	6	9	5	24	2	झारखंड	40
4.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		धनबाद	1 दिन	47	5	5	24	7	16	झारखंड	52

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
5.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		पाकुर	1 दिन	34	6	16	20	0	4	झारखंड	40
6.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		गिरीडीह	1 दिन	30	10	1	37	0	2	झारखंड	40
7.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		गुमला	1 दिन	38	6	1	20	13	9	झारखंड	43
8.	15.2.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		साहेबगंज	1 दिन	50	7	0	10	39	8	झारखंड	57

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
9.	13.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		गोलपारा	1 दिन	38	2	5	1	0	35	असम	40
10.	14.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कामरूप	1 दिन	38	5	5	5	3	30	असम	41
11.	15.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		बारपेटा	1 दिन	45	5	5	5	10	30	असम	50
12.	16.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		डिब्रुगढ	1 दिन	38	4	5	5	2	30	असम	42

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
13.	18.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		होजाई	1 दिन	35	0	1	1	0	33	असम	35
14.	19.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		जोरहट	1 दिन	32	0	1	2	0	29	असम	32
15.	20.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कोकराझार	1 दिन	32	0	1	1	0	33	असम	35
16.	25.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कछार	1 दिन	38	2	5	1	0	35	असम	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल		
17.	25.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		बरगढ़	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
18.	25.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कोरापुट	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
19.	26.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		नयागढ़	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
20.	26.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		हुगली	1 दिन	40	0	2	2	6	30	प.बंगाल	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
21.	26.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		अनुगल	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40
22.	27.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कालाहांडी	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
23.	27.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		उत्तर 24 परगना	1 दिन	40	0	2	3	5	30	प.बंगाल	40
24.	27.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		जाजपुर	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
25.	28.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		हावड़ा	1 दिन	38	2	1	1	5	33	प.बंगाल	40
26.	28.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		नडिया	1 दिन	38	2	5	2	5	28	प.बंगाल	40
27.	28.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		नवादा	1 दिन	36	4	2	2	6	30	बिहार	40
28.	29.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		माधोपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
29.	28.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		मणिपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	पूर्वी झम्फाल	40
30.	28.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		पुरी	1 दिन	36	4	2	2	6	20	ओडिशा	40
31.	29.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		साउथ 24 परगाना	1 दिन	40	0	5	5	1	29	पं. बंगाल	40
32.	29.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		खुर्धा	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
33.	30.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कटक	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
34.	26.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		कंदमाल	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
35.	12.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		भागलपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार	40
36.	19.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		खगड़िया	1 दिन	26	4	2	2	6	30	बिहार	40

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग	सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	
37.	27.3.19	कृषि विपणन बुनियादी ढांचा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम		सहरसा	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार 40

वर्ष 2018-19 के दौरान एनआरएए के लिए परामर्श

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग	सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	
1.	7.8.19	नीति समर्थन और आय बढ़ाने वाली तकनीक, बारानी खेती में उद्यम		केवीके, चुरू, राज.	2 दिन	35	5	4	0	20	16	राजस्थान 40
2.	12-13. 2.19	नीति समर्थन और आय बढ़ाने वाली तकनीक, बारानी खेती में उद्यम		केवीके, नागौर	2 दिन	59	4	7	2	36	18	राजस्थान 63

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग	सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	
3.	18-19. 2.19	नीति समर्थन और आय बढ़ाने वाली तकनीक, बारानी खेती में उद्यम		केवीके, अजमेर	2 दिन	32	8	7	3	17	13	राजस्थान 40
4.	26-27. 2.19	नीति समर्थन और आय बढ़ाने वाली तकनीक, बारानी खेती में उद्यम		केवीके, जैसलमेर	2 दिन	48	0	12	9	4	23	राजस्थान 48

वर्ष 2018-19 में डब्ल्यूडीआरए के लिए आयोजित परामर्श कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
1.	26-30.6.18	डब्ल्यूडीआरए अधिकारियों के लिए गोदाम विकास	डॉ. शुचि माथुर	सीसीएस नियाम	5 दिन	35	0	1	1	0	33	राजस्थान	35
2.	23.8.18	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके सोनीपत	1 दिन	47	0	3	0	2	42	हरियाणा	47
3.	24.8.18	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		केवीके जालंधर	1 दिन	48	4	10	2	20	20	पंजाब	52
4.	27-31.8.18	डब्ल्यूडीआरए अधिकारियों के लिए गोदाम विकास	डॉ. शुचि माथुर	यूरीसेम, गांधीनगर	5 दिन	25	0	2	0	5	18	गुजरात	25
5.	17.9.18	जागरूकता डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		मंडी समिति कुकरखेड़ा	1 दिन	32	0	0	1	0	31	राजस्थान	32
6.	25-29.9.18	डब्ल्यूडीआरए अधिकारियों के लिए गोदाम विकास	डॉ. शुचि माथुर	सीसीएस नियाम	5 दिन	20	0	2	2	7	9	राजस्थान	20

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
7.	28.9.18	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके भिवानी	1 दिन	49	1	5	0	6	39	हरियाणा	50
8.	8-12. 10.18	डब्ल्यूडीआरए अधिकारियों के लिए गोदाम विकास	डॉ. शुचि माथुर	यूआरआई सीएम, गांधीनगर	5 दिन	25	0	1	0	8	16	गुजरात	25
9.	29.10.18 से 2.11. 18	डब्ल्यूडीआरए अधिकारियों के लिए गोदाम विकास	डॉ. शुचि माथुर	सीसीएस, नियाम	5 दिन	19	1	0	0	8	12	राजस्थान	20
10.	3.11.18	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके सिरसा	1 दिन	47	10	16	0	16	25	हरियाणा	57
11.	27.11.18	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		केवीके समराला	1 दिन	51	0	5	0	12	34	पंजाब	51
12.	24.1.19	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		केवीके अबोहर	1 दिन	17	0	2	0	5	10	पंजाब	17

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक	स्थान	अवधि	लिंग		सामाजिक श्रेणियाँ				राज्य	प्रतिभागी
						पुरुष	महिला	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य		
13.	29.1.19	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		हनुमानगढ़	1 दिन	45	0	5	5	0	35	राजस्थान	40
14.	14.2.19	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		नागौर	1 दिन	39	0	2	5	2	30	राजस्थान	39
15.	15.2.19	डब्ल्यूडीआरए पर जागरूकता कार्यक्रम		जोधपुर	1 दिन	40	0	5	1	8	26	राजस्थान	40

Notes :

Notes :

Notes :



चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान

C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

(An Autonomous Organisation of Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India)

Bambala, Kota Road, Jaipur - 302033, India

Ph. : 0141-2771001, 2795104

www.ccsniam.gov.in